हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शनिवार, 8 मार्च 2025

भारत सरकार

पिछले 11 सालों में...

- ♀ जन्म के समय लिंगानुपात 918 से बढ़कर 933 हुआ
- ♀ STEM यानी साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स स्ट्रीम में होने वाले लगभग आधे एडमिशन लड़कियों के
- ♀ एनडीए और सैनिक स्कूल में लड़कियों को एडमिशन
- ♀ आर्म्ड फोर्सेस में महिलाओं की स्थायी कमीशनिंग
- ♀ 48% से ज्यादा स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला डायरेक्टर
- ♀ मुद्रा योजना की लगभग 70% लाभार्थी महिलाएं
- ♀ 10 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं
- ♀ मैटरनिटी लीव 12 हफ्ते से बढ़ाकर 26 हफ्ते
- ♀ 3.7 करोड़ महिलाओं को पीएम मातृ वंदना योजना से ₹16,500 करोड़ मिले
- ♀ 74% पीएम आवास की मालकिन महिलाएं बनीं
- ♀ 10 करोड़ से ज्यादा रसोई में उज्ज्वला गैस कनेक्शन
- ♀ 15 करोड़+ घरों तक नल से जल पहुंचा
- ♀ करीब 12 करोड़ शौचालय बने
- ♀ ट्रिपल तलाक पर कानूनी प्रतिबंध
- ♀ अब अकेले हज पर जा सकती हैं मुस्लिम महिलाएं

आज की नारी, हर रोज महिला दिवस मनाती!

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं

CBC 46101/13/0012/2425

भोपाल से मधुरिमा राजपाल की रिपोर्ट

भावना टोकेकर ने कहा कि जब 39 साल की ऐज में मुझे पावर लिफ्टिंग का क्रेज हुआ और मैं एशियन खेलने के लिए मुझे रशिया जाना था, लेकिन उसमें तीन चार लाख रुपए खर्च होते। क्योंकि, इससे पहले मैं एक हाउस वाइफ थी और मूड चेंज के लिए जिम जाना शुरू किया। ऐसा इसलिए क्योंकि 40 साल की उम्र में मेरी स्किन में दवा के साइड इफेक्ट की वजह से सूजन आ गई थी और फिर पावर लिफ्टिंग से बॉडी स्ट्रेंग्थ बढ़ने से होने वाले फायदों के बारे में जानने के बाद मैंने इसे कंटीन्यू रखने का मन बनाया।

भावना टोकेकर ने 39 साल में शुरू की पावर लिफ्टिंग

एशियाई पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं भावना

हाउस वाइफ थी, मूड चेंज करने जिम का रुख किया और बन गईं शक्तिमान

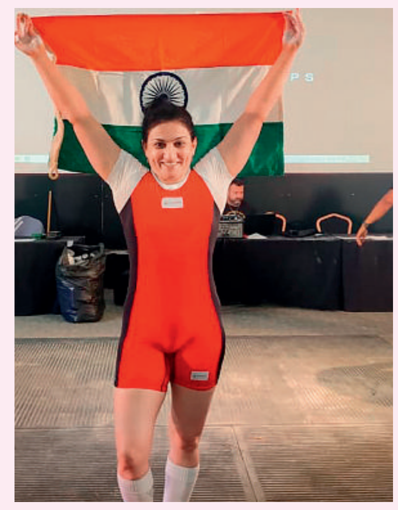

दिमाग में सिर्फ सफलता की बात चलती है

उन्होंने कहा कि पहली बार 2019 में रूस के चेल्याबिंस्क में एडब्ल्यूपीसी/डब्ल्यूपीसी की एशियाई पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में मैंने चार स्वर्ण पदक जीते। लेकिन जब आप पॉवर लिफ्टिंग या किसी भी कॉम्पिटीशन में भाग लेते हो तो दिमाग में सिर्फसफलता की बात चलती है कि आपको यह करना ही है और गोल एचीव करना है और तब रैफरी आपको ओके कर देता है तब आपको रियालाइज होता है कि आपने कर लिया। उस दस सेकेंड में आपको अपनी सालों की मेहनत याद आती है और गोल एचीव होने के बाद दिमाग में सुकून और सफलता का अहसास होता है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। भावना ने कहा कि अभी मेरा पिछला गोल्ड हैदराबाद में 80 केजी बेंच प्रेस में रिकार्ड बनाया और गोल्ड जीता। साथ ही ब्रिटेन के मैनचेस्टर में विश्व पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप (मास्टर्स) में उन्होंने चार नए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर सभी को चौंका दिया था।

भावना ने बनाए ये रिकॉर्ड

भावना टोकेकर ने 50-54 एज ग्रुप प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने स्क्वाट में 102.5 किग्रा के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। पिछला रिकॉर्ड 90 किग्रा था। बेंच प्रेस्ड में 80 किलोग्राम का वजन उठाया, पिछला रिकॉर्ड 40 किग्रा था। फिर 132.5 किग्रा (पिछला रिकॉर्ड 105 किग्रा) का डेडलिफ्ट पूरा किया। उनका कुल 315 किग्रा भार उठाना भी एक विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि अगस्त में यूएसए में इंटरनेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप है उसके लिए खुद को तैयार कर रही हूं।

एक हाउसवाइफ से वर्ल्ड चैंपियन बनना मेरे और बच्चों के लिए गर्व का विषय

मध्यप्रदेश के विदिशा जिले की जन्मी भावना टोकेकर ने बड़ी उम्र में मिसाल कायम की है। भावना ने कहा मेरी इस सफलता में परिवार का पूरा योगदान है क्योंकि मेरे पति श्रीपद टोकेकर भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन रह चुके हैं। कारगिल युद्ध में वीरता के लिए वायु सेना पदक भी जीता था। साथ ही मेरे दो बच्चे हैं, उन्होंने हमेशा मुझे मोटिवेट किया और कहा कि मम्मा आप कर सकती हो। जब पहली बार मैंने पावर लिफ्टिंग में गोल्ड जीता तो बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं था। आज दोनों हॉस्टल में हैं और मुझे मोटिवेट करते रहते हैं। दोनों ही अपने रूममेट्स और फ्रेंड्स को बताते हैं कि मेरी मम्मी वर्ल्ड चैंपियन हैं तो यह उनके लिए भी और मेरे लिए भी प्राउड का विषय है कि एक हाउसवाइफ से मैं एक वर्ल्ड लेवल चैंपियन बन पाई हूं।

भोपाल से प्रवीण सक्सेना की रिपोर्ट

एवरेस्ट की चोटी से 10 मीटर पहले आंखों में थे आंसू

भोपाल। राजधानी की माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली करीब 56 वर्षीय महिला ज्योति रात्रे ने गत वर्ष 19 मई 2024 को एवरेस्ट फतह किया था। इसके साथ ही वे अंटार्कटिका के माउंट विल्सन तक पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज पहली महिला भी हैं। उन्होंने बताया कि जब वे माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने वाली ही थीं कि वे बेहद भी भावुक हो गईं और उनकी आंखों में आंसू आ गए और वे भाव शून्य हो गई थीं यानि एक ब्लैक आऊअ सा छा गया था। यूं लगा जैसे सब कुछ मिल गया हो। 48 वर्ष की आयु में पहाड़ चढ़ना सीखने वाली ज्योति को लगा कि आखिर उनकी कई साल की मेहनत सफल जो होने वाली थी। ज्योति ने बताया कि उनका माउंट एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचने का ख्वाब इसके भी एक साल पहले यानि 2023 में ही पूरा हो जाता, लेकिन वे एक बर्फीले तूफान की वजह से मात्र 600 मीटर से ही वापस लौट आई थीं। उन्होंने बताया कि इस तूफान में 18 लोगों को उन्होंने मरते हुए देखा है। वहीं इस हादसे में 5 लोग मिसिंग भी थे। इसलिए उन्होंने अपने शेरपा को एक व्यक्ति की खोज में भेज दिया था जो इस सफर में उनके साथ ही था। इसके बाद वे उन्होंने अपना अभियान वहीं रोक दिया और लौट आईं। ज्योति ने बताया कि उनके इस अभियान से वे ऐसी महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं जो कहती हैं कि अब तो उम्र ही निकल गई है। ऐसे में अब वे क्या करेंगी। तब ज्योति क्हती हैं कि अभी तो बहुत कुछ बाकी है। आप अब भी बहुत कुछ कर सकती हैं, बस एक बार मेरी तरफ देख लें।

माउंटेनेयर ज्योत रात्रे

इस दुर्गम माउंट पर मप्र से अभी तक कोई नहीं गया

ज्योति ने बताया कि अंटार्कटिका के विल्सन माउंट तक पहुंचने का सफर उनका बेहद ही रोचक रहा है। उन्होंने बताया कि जब मैंने अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट विन्सन (4892 मीटर) पर चढ़ाई की योजना बनाई, तो यह एक सपने को साकार करने जैसा था। यह यात्रा केवल एक शारीरिक चढ़ाई नहीं थी, बल्कि मानसिक और भावनात्मक दृढ़ता की भी परीक्षा थी। ये अभियान उन्होंने इसी साल 7 जनवरी को पूरा किया है। इसके लिए वे दिसंबर में वहां गई थीं। उन्होंने बताया कि इस दुर्गम माउंट पर मप्र से अभी तक कोई नहीं गया है क्योंकि वहां का तापमान माइनस में काफी नीचे तक होता है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अंटार्कटिका में 6 माह का दिन और 6 माह की ही रात होती हैं। इसका अनुभव उन्होंने खुद लिया है कि वहां सूर्य अस्त न होकर वहीं-वहीं घूमता रहता है।

स्टूडेंट लाइफ में था शौक अब विभाग का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में ही कार्यरत कंचन ठाकुर कैरम में अपने विभाग का प्रतिनिधित्व करती हैं। इंजीनियरिंग की पढ़ाई रायपुर एनआईटी (तत्कालीन जीईसी) से हुई है। पढ़ाई के दौरान वे माइंड रिफ्रेश करने के लिए कैरम खेला करती थीं। उस वक्त कभी आधिकारिक प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। नौकरी के दौरान विभाग का प्रतिनिधित्व खेल में करने लगीं। राज्य स्तरीय स्पर्धा में वे कई टाइटल जीत चुकी हैं। बीते एक दशक से भी अधिक समय से नेशनल में स्टेट का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके पति महेश ठाकुर क्रिकेट स्पर्धा में छग पॉवर कंपनी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका बेटा अंशुमन भी छग क्रिकेट अंडर-14 में राज्य की ओर से खेलता है।

खुद का अस्तित्व बनाए रखें

उम्र के पांचवें दशक में कदम रख चुकीं रायपुरा निवासी कंचन प्रैक्टिस के लिए रोजाना एक घंटे का समय देती हैं। वह कहती हैं, मैं अपना बचा हुआ समय खेल को देना पसंद करती हूं। नौकरी, परिवार की जिम्मेदारी और खेल के मध्य सामंजस्य बैठाना पड़ता है। हर महिला में कोई ना कोई हुनर जरूर होता है। उन्हें चाहिए कि वे अपना अस्तित्व बनाए रखें। परिवार संभालना और बच्चों का लालन-पालन हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन आप किसी और के नाम से ना जानी जाएं बल्कि आपका अपना अस्तिस्व हो।

5 लाख का कर्ज लेकर गईं खेलने

अंतरराष्ट्रीय तलवारबाजी में रजत पदक जीतकर लौटी मजदूर की बेटी

तमाम अभावों को दूर करते हुए रुपाली साहू ने यह बता दिया है कि मन से ठान लिया जाए तो कुछ भी असंभव नहीं है। मजदूर की बेटी रुपाली साहू ने कमाल करते हुए कामनवेल्थ तलवारबाजी चैंपियनशिप में सिल्वर मैडल जीता है। यह प्रतियोगिता न्यूजीलैंड के क्राइस्ट चर्च में खेली गई थी। यहां तक पहुंचने के लिए लेकिन रूपाली को विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही अपनी आर्थिक परेशानियों से भी जूझना पड़ा। न्यूजीलैंड जाने के लिए उन्हें करीब 5 लाख रुपए की जरूरत थी, इसके लिए उनके पिता राजेन्द्र साहू ने उधार लिया और बेटी को खेलने भेजा। पिता के मुताबिक पढ़ाई के लिए लोग लोन या कर्ज लेते हैं तो क्या खेलने के लिए उधार नहीं लिया जा सकता। रुपाली ने बताया कि खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने भी सहयोग राशि दी है और विदेश भेजने में मदद की।

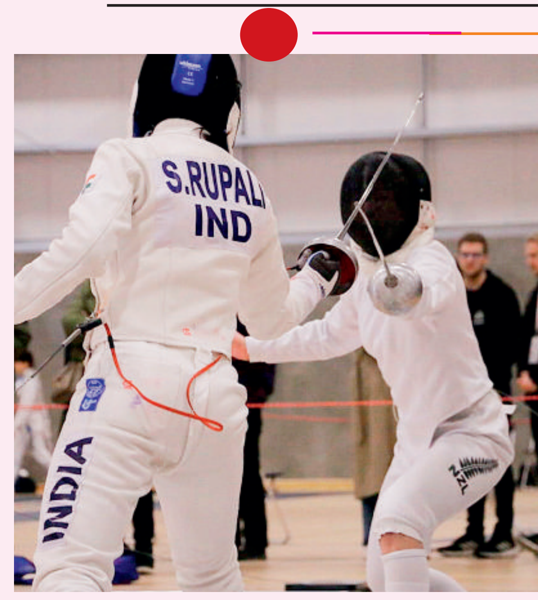

न्यूजीलैंड के क्राइस्ट चर्च में इंग्लैंड, स्काटलैंड सहित आठ देशों की टीमों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

कॉमनवेल्थ तलवारबाजी चैंपियनशिप न्यूजीलैंड में खेली गई। इस प्रतियोगिता में भारत के साथ ही मेजबान न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, स्काटलैंड सहित आठ देशों की टीमों ने हिस्सा लिया। भारत ने टीम चैंपियनशीप में रजत पदक जीता। फाइनल में टीम को इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था। भारत की टीम में रुपाली के अलावा 4 और सदस्य थीं। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच अभिषेक दुबे ने बताया कि रुपाली का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता एवं गोवा में आयोजित हुए 37 वें राष्ट्रीय खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया था।

12 नेशनल और 14 स्टेट गेम्स में पदक

रुपाली ने बताया कि वह 12 साल की उम्र से तलवारबाजी खेल रही हैं। फिलहाल उनकी उम्र 16 साल है और 12 वीं कक्षा की छात्रा है। पिछले 5 सालों में रुपाली ने 12 नेशनल और 14 स्टेट गेम्स में खेलते हुए पदक जीता है। नेशनल गेम्स में उन्होंने सब जूनियर और जूनियर वर्ग में सिल्वर मैडल प्राप्त किया है। रुपाली के पिता राजेन्द्र साहू मिस्त्री हैं जो कि दिहाड़ी पर काम करते हैं। मां गृहणी है। एक छोटा भाई है जो कि 9 वीं पढ़ता है। आर्थिक परेशानियों से जूझते हुए रुपाली ने पढ़ाई के साथ अपने खेल को जारी रखा। रुपाली बताती हैं कि मैदान पर साथी खिलाड़ियों से उन्हें काफी सहयोग मिला। छोटी-छोटी बचत के सहारे उन्होंने पैसा जमा किया और खेल के सामान खरीदे।

तलवारबाजी के इक्यूमेंट काफी महंगे

चिंगराजापारा के छोटे से घर या उसे झोपड़ी कहें में रहने वाली रुपाली ने बताया कि कामनवेल्थ में जाने से पहले एक महीने तक पटियाला में आयोजित विशेष कैंप में प्रशिक्षण लिया। रुपाली के सामने लेकिन आर्थिक परेशानी थी। इसमें वीजा से लेकर आने जाने और दूसरे खर्चे शामिल थे। रुपाली ने बताया कि जब वे नेशनल खेलने जा रहीं थी तो उसके बाद बेहतर तलवार नहीं था। कोच ने उन्हें अपना तलवार दिया और उससे खेलकर उन्होंने सिल्वर मैडल प्राप्त किया। रुपाली बताती हैं कि तलवारबाजी के इक्यूमेंट काफी महंगे आते हैं इसलिए कई बार परेशानी हुई लेकिन सबसे कम कीमत का जो तलवार और दूसरे सामान आते हैं उसे खरीदकर मैदान में उतरतीं थीं।

पैरों से दिव्यांग होने के बाद भी रिले रेस तैराकी में एशियन रिकॉर्ड बनाया है

अंजनी ने गांव के तालाब से निकलकर कामनवेल्थ गेम्स तक का तय किया सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

अंतरराष्ट्रीय तैराक अंजनी पटेल ने अपने ननिहाल के छोटे तालाब से तैराकी का सफर शुरू किया और कानमवेल्थ तक पहुंच गईं। साथ ही कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियागिता में हिस्सा लेकर मैडल पर कब्जा जमाया है। अंजनि ने पैरों से दिव्यांग होने के बाद भी रिले रेस तैराकी में एशियन रिकॉर्ड बनाया है। वे 60 प्रतिशत दिव्यांग हैं फिर भी हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी इस कमजोरी को पीछे छोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान बनाई और दूसरों के लिए मिसाल बनीं। छत्तीसगढ़ सरकार ने उन्हें उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किया है। फिलहाल वे खेल एवं युवा कल्याण विभाग बिलासपुर में डाटा आपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। अंजनी वैसे तो जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा में जन्मीं लेकिन उनका ननिहाल कोटमीसोनार है। वहां के जगन तालाब से तैराक बनने का सफर शुरू किया। कड़ी मेहनत और लगन से उन्होंने यह सफलता अर्जित की। उन्होंने दिल्ली में 2010 में कामनवेल्थ के पैरालिंपिक में 100 मीटर और 50 मीटर फ्री स्टाइल प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया और फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाई। उनका कहना है कि वैसे तो संघर्ष काफी रहा। तालाब से स्वीमिंग पुल में तैरना आसान नहीं था, लेकिन विशेष ट्रेनिंग से रास्ते आसान होते गए।

शहीद राजीव पांडे खेल से सम्मानित

अंजनी ने जून 2007 से खेलना प्रारंभ किया। 2007 में उत्तरप्रदेश में यमुना नदी के गौघाट में प्रतियोगिता हुई। इसमें कांस्य जीता। इसके बाद दिसंबर 2007 में आठवीं दिव्यांग तैराकी चैंपियनशिप में बैकस्ट्रोक में रजत, 2008 में इलाहाबाद (प्रयागराज) में रजत पदक अपने नाम किए। 2008 में ही पुणे में राष्ट्रीय दिव्यांग तैराकी प्रतियोगिता में 100 मीटर फ्री स्टाइल में सीनियर वर्ग में स्वर्ण, 2009 में कोलकाता में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अलग-अलग इवेंट में चार स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। अंजनी पटेल शहीद राजीव पांडेय राज्य खेल पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं।

कंडक्टर की बेटी ने पाया मुकाम

अंजनी ने बताया कि प्रत्येक तैराक को दो-दो घंटे समुद्र में तैरना था। दो घंटे में तीन किलोमीटर का सफर तय करना था। एक के थकने के बाद दूसरे को उतारा जाता था। अंजनी तीसरे नंबर पर उतरीं और दो घंटे में तीन किलोमीटर का सफर पूरा किया। अंजली ने बताया कि रिकॉर्ड बनाने के पूर्व एक महीने का कैंप पुणे में आयोजित किया गया, जिसमें कोच रोहन गोरे ने सभी को तैयार किया। अंजनी बताती हैं कि शुरू से ही परिवार की आर्थिक हालात ठीक नहीं रही। पिता बस कंडक्टर थे। जब अंजनी ने बिलासपुर में नौकरी शुरू की तो पिता को कंडक्टरी करने से रोक दिया।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

महिला बॉडी बिल्डर आभा कंजूर ने हरिभूमि से खास बातचीत में साझा किया अनुभव

वंदना ठाकुर ने मिस इंडिया बॉडी बिल्डर का खिताब अपने नाम किया

स्त्री हूं, मैं शक्ति हूं, दिव्य कृति और सृष्टि हूं...महिलाओं के लिए इस सूत्र संदेश का सार यही है कि नारी नारायणी है, काली है, दुर्गा है यानी शक्ति की प्रतीक। मौजूदा समय में ताकत की पर्याय बनी इन महिलाओं ने अपनी शक्ति के भरोसे देश-दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। शक्ति स्वरूपा इन महिलाओं ने ऐसे काम किए हैं जो कभी पुरुषों के पर्याय थे। बॉडी बिल्डिंग, रेसलिंग, कबड्डी से लेकर हर उस खेल में अपना दम दिखाया और साबित किया कि कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां पुरुषों का ही एकाधिकार रह गया हो। उन्होंने यह भी साबित किया कि उनकी उड़ान छोटी नहीं है, उनके हौसले के आगे आसमां ही छोटा पड़ रहा है। इस उड़ान में उम्र भी महज एक आंकड़ा ही साबित हो रहा है। इनमें कई ऐसी हैं जिनकी शक्ति 50 बरस की उम्र में भी अवार्ड दिला रही है। महिला दिवस के अवसर पर हरिभूमि ऐसी ही शक्तियों की गौरव-गाथा को सामने रख रहा है, ताकि उनके ओज और संघर्ष से हासिल मुकाम से नई पीढ़ी न सिर्फ वाकिफ हो सके, बल्कि उनसे प्रेरणा लेकर खुद भी इस गौरव-गाथा का हिस्सा बन सके।

इच्छा शक्ति को बनाई अपनी ताकत, पॉवर गेम्स में एकाधिकार खत्म

ऐसा लगाया दम तोड़ा पुरुषों का भ्रम

8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

लड़कियों के लिए मसल्स गेम्स बड़ी चुनौती

रोक-टोक को नजरअंदाज कर बनीं नंबर वन

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

महिलाओं के शरीर के मजबूत मसल्स और बाइसेप्स की तस्वीरें अक्सर आकर्षक लगती हैं, लेकिन जब कोई महिला किसी बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में बिकिनी पहनकर मंच पर खड़ी होती है, तो समाज का नजरिया बदल जाता है। बॉडी बिल्डिंग करना महिलाओं के लिए आसान कार्य नहीं है। इसके बावजूद, समाज की गलत सोच से पार पाकर भी महिला को अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखना होता है। यह कहना है शहर की 26 वर्षीय आभा कुजुर का, जो पिछले चार वर्षों से बॉडी बिल्डिंग कर रही हैं। हरिभूमि से विशेष बातचीत में आभा ने अपने अनुभव साझा किए। उनका कहना था, किसी भी लड़की के लिए बॉडी बिल्डिंग करना आसान नहीं होता, लेकिन सबसे कठिन कार्य परिवार को यह बात समझाना था।

जब 2022 में मैंने बॉडी बिल्डिंग करने का मन बनाया, तो मेरे माता-पिता ने पूरा साथ दिया, लेकिन समाज के अन्य वर्गों की आलोचनाओं का सामना भी करना ▶▶|शेष पेज 3 पर

कभी हिम्मत नहीं हारी

आभा बताती हैं कि शरीर मजबूत होने से लोग आपका सम्मान करने लगते हैं, जबकि जब शरीर कमजोर होता है, तो समाज और लोग महिलाओं को उसी नजरिए से देखते हैं। कई लड़कियां अब भी बॉडी बिल्डिंग नहीं करतीं, क्योंकि समाज का गलत नजरिया उन्हें देखता है। जब मैंने बॉडी बिल्डिंग की शुरुआत की, तो मुझे बहुत कम समर्थन मिला। माता-पिता को छोड़कर किसी ने मेरा साथ नहीं दिया। समाज के तानों और नकारात्मक टिप्पणियों के बावजूद मैंने हार नहीं मानी, क्योंकि बॉडी बिल्डर बनने के पीछे सालों की कठिन मेहनत छिपी थी। कुछ लोगों के गलत सोचने के बावजूद मेहनत को व्यर्थ नहीं जाने दे सकती थी। जब पहली बार प्रतियोगिता में भाग लेने वाली थी, तब 20 दिन पहले ही मेरी मां का निधन हो गया था। इस मुश्किल घड़ी में मन टूट चुका था, लेकिन मैंने खुद को संभाला ▶▶|शेष पेज 3 पर

वजन बढ़ाने के लिए गई थी जिम

आभा जिम में ट्रेनर हैं। बातचीत में बताया कि 2022 में शरीर बहुत ही पतला हो चुका था और कई प्रयासों के बाद भी वजन नहीं बढ़ रहा था। तब मैं जिम जॉइन किया और वहां बॉडीबिल्डिंग करते हुए लड़के को देखती थी, जिससे प्रेरित होकर मैंने भी बॉडी बिल्डिंग करने का मन बनाया। कोच सुमित की मदद से 8 महीने तक मेहनत की और प्रतियोगिता के लिए अपने शरीर को तैयार किया। इसके बाद, 2023 में पहली बार मिस छत्तीसगढ़ का खिताब अपने नाम किया। आभा अब तक पांच बार मिस छत्तीसगढ़ का ▶▶|शेष पेज 3 पर

जीवन कठिन बन जाता है...

आभा बताती हैं कि जब कोई लड़की बॉडी बिल्डिंग करने का निर्णय लेती है, तो उसका जीवन कई पहलुओं से प्रभावित हो जाता है। शादी, परिवार, समाज और दोस्तों तक पर इसका असर पड़ता है। यह क्षेत्र पुरुषों से ज्यादा जुड़ा हुआ माना जाता है, जिससे महिलाओं के लिए यह और भी चुनौतीपूर्ण बन जाता है। आभा का कहना है कि अगर कोई लड़की इस क्षेत्र में आना चाहती है, तो उसे अच्छे इरादों के साथ आत्मविश्वास से भरे कदमों से आगे बढ़ना चाहिए। समाज की बातों से निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि अपने सपनों की ओर पूरी मेहनत और समर्पण के साथ बढ़ते जाना चाहिए। सिर्फ खुद पर विश्वास रखने से ही वो हर मुश्किल को पार कर सकती है ▶▶|शेष पेज 3 पर

बेंगलूरू की रहने वाली अर्पिता मैडी अपने नाम कर चुकी हैं कई नेशनल और इंटरनेशनल टाइटल

बॉडी फिट, लाइफ हिट, देश को मैडल, खुद को सुकून

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

उम्र के पांचवें दशक में प्रवेश करते ही लोग जीवन में हताश होने लगते हैं। नई शुरुआत करना उन्हें एक कठिन चुनौती लगता है। रोजमर्रा की तरह जिंदगी को ढोते जाते हैं, विशेषकर महिलाएं। शादी के बाद उनकी जिम्मेदारियां कई गुना बढ़ जाती हैं। खुद के कॅरियर और शौक के लिए वक्त निकालना उनके लिए जटिल हो जाता है। लेकिन इन सबके बीच ऐसी महिलाएं भी हैं, जो घर-परिवार की जिम्मेदारी निभाते हुए कार्यक्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही हैं और इसके साथ ही अपनी फिटनेस व खेल के जरिए लोगों को स्वस्थ शरीर, खुद से प्यार करने और अपने शौक को ▶▶|शेष पेज 3 पर

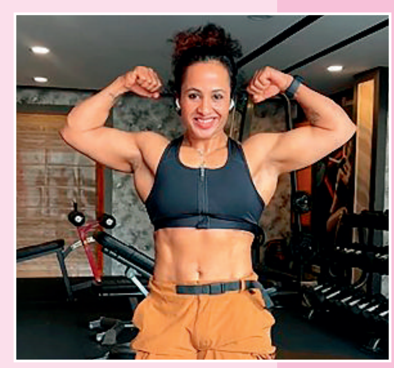

फिलहाल सिंगल, घर में सिर्फ मां

बकौल अर्पिता, जब पहली बार वर्कआउट शुरु किया और बॉडी फिट हुई तो खुद में आत्मविश्वास आया। इसके बाद इसमें मजा आने लगा। जब आपकी बॉडी फिट रहती है तो आत्मा को एक ▶▶|शेष पेज 3 पर

मिस केरल, मिस बेंगलुरू, मिस कर्नाटक के टाइटल

40 वर्षीय अर्पिता बेंगलुरू की रहने वाली हैं। उम्र का यह आंकड़ा सुनते ही आपके ख्याल में महिलाओं की जो छवि सामने आएगी, अर्पिता उससे बिल्कुल उलट हैं। इंटरनेशनल बॉडी बिल्डर और वेट लिफ्टर अर्पिता अपने नाम कई खिताब कर चुकी हैं। फिटनेस ओलंपियाड से लेकर 58 किलोवर्ग में होने वाली राष्ट्रीय स्पर्धाओं में विजेता रही हैं। बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा के अंतर्गत होने वाली मिस केरल, मिस बेंगलुरू और मिस कर्नाटक का टाइटल अपने नाम कर चुकी हैं। उनका यह सफर अब भी जारी है। अपनी कहानी साझा करते हुए अर्पिता ने बताया कि उन्होंने स्नातक की डिग्री हासिल की है। घर से कोई भी व्यक्ति खेल या फिटनेस सेक्टर में नहीं है। वे घर की पहली स्पोर्ट्सपर्सन हैं।

जब आपको हार सामने नजर आए, इसके बावजूद मैंने हौसला नहीं खोया

मधुरिमा राजपाल ▶▶| भोपाल

नेशनल बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप 2025 में महिला बॉडी बिल्डिंग कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतकर मिस इंडिया बॉडी बिल्डर का खिताब अपने नाम किया। वंदना ठाकुर इससे पहले मालदीव में भारतीय बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन (आईबीबीएफ) द्वारा आयोजित 15वें वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग और फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 में कांस्य पदक भी जीत चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं यह चैंपियनशिप कर रही थी, तभी मेरा कॉम्पटीशन चार बार की विनर

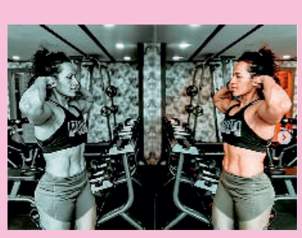

हरियाणा की बॉडी बिल्डर के साथ था और उन्हें हरा पाना शायद नामुमकिन था, लेकिन उनको हराकर मेरा जीतना मेरे लिए बेहद मायने रखता है, क्योंकि जब आपको हार सामने नजर आए बावजूद इसके आपके बुलंद हौसले आपको जीत की कगार पर पहुंचा दें तो इसकी व्याख्या ▶▶|शेष पेज 3 पर

लोगों ने मजाक भी उड़ाया

वंदना कहती हैं कि इसके बाद बॉडी बिल्डिंग के बारे में मुझे पता चला, लेकिन जब मैंने इसमें जाने का सोचा तो लोगों ने मजाक उड़ाया कि महिला हो इसमें जाकर क्या करोगी, लेकिन मुझे पता था कि कुछ ऐसा करना है कि जिससे लग पाए कि मैं एक आर्मी मैन की बेटी हूं और मैंने ठान लिया कि इसी में कुछ करना है और बॉडी बिल्डिंग की शुरूआत की। इसके बाद बीच में कोरोना भी आया, जिसमें मैंने बच्चों को ट्यूशन पढाकर जैसे-जैसे चैंपियनशिप के लिए पैसे जमा किए। और इसमें भी मैंने गोल्ड जीता। इस ▶▶|शेष पेज 3 पर

सपनों का पीछा करते दस दिन में दो बार फतह किया एवरेस्ट और बन गया वर्ल्ड रिकार्ड

सपनों का पीछा करते दस दिन में दो बार फतह किया एवरेस्ट और बन गया वर्ल्ड रिकार्ड

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

बस्तर के छोटे से गांव लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक के टाकरागुड़ा की रहने वाली युवती ने माउंट एवरेस्ट में फतह हासिल कर ना केवल बस्तर का बल्कि प्रदेश का भी नाम रोशन किया है।

वह देश की पहली महिला पर्वतारोही बन गई, जिसमें महज 10 दिनों के कम समय में हिमालय के विश्व की 2 ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट 8848.86 मीटर व माउंट लोहत्से 8516 मीटर की चढ़ाई माइनस 40 और 50 डिग्री सेल्सियस पर जहां ऑक्सीजन की कमी और प्रति घंटे 70 से 80 की स्पीड में चलने वाली हवा के बीच पहुंची। नैना सिंह धाकड़ के

हौसले के आगे तमाम परेशानियां और विपरित परिस्थतियां भी आड़े नहीं आई। उसने तिरंगा फहराने के बाद श्री राम का झंडा फहराकर जयकारा करने वाली पहली सनातनी महिला का खिताब भी अपने नाम किया हैं। साथ ही वीर शहीदों को श्रद्धांजलि व आम जनता के लिए सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा गीत उन चोटियों में गाकर रिकॉर्ड बनाया हैं।

हरिभूमि से चर्चा में नैना ने बताया कि 2 ऊंची चोटी को 10 दिनों के कम समय में फतह हासिल करने के कारण वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज हुआ है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उसे साहस और रोमांच के कारण तेनजिंग नोर्गे अवॉर्ड 2022 में सम्मानित किया है। वह पुलिस प्रशासन, पतंजलि योग समिति और स्वच्छ जगदलपुर की ब्रांड एंबेसेडर है।

विवेकानंद की शिक्षाओं से मिली प्रेरणा

नैना, स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं से प्रेरित थीं और सामाजिक मानदंडों से मुक्त होकर अपने सपनों का पीछा करने के लिए दृढ़ संकल्पित थीं। उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने उन्हें दोनों चोटियों के शिखर पर पहुंचाया और यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया की कुछ महिलाओं में से एक बन गईं। वह हमेशा ▶▶|शेष पेज 3 पर

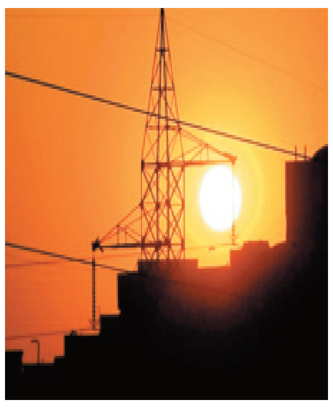

बिजली के नए टैरिफ के लिए अटकी हुई है जनसुनवाई

बिजली आयोग में सदस्य नियुक्त करने सरकार ने बनाई हाई पावर कमेटी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश में बिजली का नया टैरिफ तय करने के मामले में बड़ा पेंच फंसा हुआ है। इस समय बिजली नियामक आयोग में अध्यक्ष के साथ रहने वाले दो सदस्यों का पद खाली है। बिना कोरम के किसी भी तरह की सुनवाई नहीं हो सकती। एक सदस्य का कार्यकाल सितंबर 2023 में पूरा हो गया था। एक और सदस्य का कार्यकाल बीते साल जुलाई में पूरा हुआ है। अब तक दोनों पदों पर नई नियुक्ति नहीं हो सकी है। नई नियुक्ति के बाद ही टैरिफ पर जनसुनवाई और नए टैरिफ का फैसला हो पाएगा। इस खबर को 22 फरवरी के अंक में हरिभूमि ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद अब प्रदेश सरकार ने आयोग में सदस्यों की नियुक्ति के लिए हाई पॉवर कमेटी बना दी है। जल्द ही ऊर्जा विभाग से सदस्यों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकलेंगे, इसके बाद आवेदन आने पर योग्यता के आधार पर सदस्यों की नियुक्ति होगी।

प्रदेश के बिजली नियामक आयोग में अध्यक्ष हेमंत वर्मा के साथ पहले लीगल सदस्य के रूप में विनोद देशमुख और तकनीकी सदस्य के रूप में सीके गुप्ता काम कर रहे थे। इनका कार्यकाल अब समाप्त हो गया है। अब तक किसी और सदस्य की नियुक्ति नहीं की गई है। बिना सदस्यों के आयोग में अब किसी भी याचिका पर भी फैसला नहीं हो सकता। ऐसे में फरवरी में होने वाली जनसुनवाई की तारीख तय न होने से जनसुनवाई नहीं हो सकी है, जबकि अब मार्च भी प्रारंभ हो गया है।

जनसुनवाई के अटके होने की खबर के हरिभूमि में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद अब प्रदेश सरकार ने आयोग में सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसके लिए पहले कदम पर एक हाई पॉवर कमेटी बनाई गई है। रिटायर जज टीपी शर्मा की अध्यक्षता वाली इस कमेटी में मुख्य सचिव और केंद्रीय प्राधिकरण के अध्यक्ष सदस्य रहेंगे। ऊर्जा विभाग विज्ञापन प्रकाशित करके सदस्यों के लिए आवेदन मंगाएगा। आवेदन आने के बाद सदस्यों की नियुक्ति होगी, इसके बाद नए टैरिफ पर जनसुनवाई होगी। वैसे भी पिछले साल नया टैरिफ जून में लागू हुआ था। ऐसे में संभावना है सदस्यों की नियुक्ति के बाद अप्रैल में जनसुनवाई करके नया टैरिफ जून या इससे पहले लागू किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने बिजली नियामक आयोग को 2025-26 के लिए जो प्रस्ताव भेजा है, उसमें बताया गया है कि पॉवर कंपनी इस सत्र में 24 हजार 652 करोड़ की बिजली बेचेगी। इसके मुकाबले में पॉवर कंपनी का खर्च 23 हजार 82 करोड़ होगा। ऐसे में पॉवर कंपनी को 1570 करोड़ का फायदा होगा। लेकिन 2023-24 में पॉवर कंपनी को अनुमान से 6130 करोड़ रुपए कम पड़े। ऐसे में इस अंतर की राशि में 1570 करोड़ को घटाने के बाद 4560 करोड़ रुपए का अंतर आ रहा है। इस अंतर की राशि के लिए ही टैरिफ बढ़ाने की मांग है। लेकिन आयोग तय करेगा कि वास्तव में पॉवर कंपनी को कितने पैसों की जरूरत होगी। उसके हिसाब से टैरिफ तय होगा।

बिजली कर्मियों की हड़ताल अवैध घोषित

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) एएम परियल ने बताया, श्रम न्यायालय रायपुर ने बिजली कर्मियों के संगठन छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संघ की 10 मार्च को प्रस्तावित एक दिवसीय हड़ताल को अवैध घोषित कर दिया है। श्रम न्यायालय एक रायपुर, विभा पांडेय की कोर्ट में संघ के 10 मार्च के एक दिवसीय सामूहिक अवकाश व विरोध प्रदर्शन तथा 17 मार्च से क्षेत्रीय व मुख्यालय स्तर पर अनिश्चितकालीन सामूहिक धरना प्रदर्शन पर स्थगन देने की अपील की गई थी। पॉवर कंपनी ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 10 (4) के अंतर्गत वाद प्रस्तुत किया, जिसमें बताया गया कि प्रस्तावित हड़ताल से विद्युत आपूर्ति बाधित होगी तथा सामान्य जनजीवन प्रभावित होगा और जनसामान्य को समस्याओं से जूझना पड़ेगा। इससे अपूरणीय क्षति होने की आशंका है। श्रम न्यायालय ने मामले की त्वरित सुनवाई करते हुए हड़ताल को अवैध घोषित किया है।

डीजीपी डॉयल 112 का निरीक्षण करने पहुंचे

रायपुर। राज्य के नए डीजीपी अरुणदेव गौतम बुधवार को डॉयल 112 का निरीक्षण करने सिविल लाइंस स्थित सी-4 भवन पहुंचे। डीजीपी को डॉयल 112 के बारे में समझाते हुए एडीजी प्रदीप गुप्ता द्वारा बताया गया कि पुलिस-फायर-चिकित्सा संबंधी आकस्मिक जरूरतों के मद्देनजर जरूरतमंद नागरिकों द्वारा कॉल करके और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से डायल 112 से संपर्क किया जाता है। कॉलर द्वारा संपर्क करने पर यह कॉल सी-4 स्थित कॉल टेकर सेक्शन में प्राप्त होती है, जिस पर फ्लोर पर उपस्थित कॉल टेकर द्वारा कॉलर से आवश्यक पूछताछ कर ईवेंट बनाया जाता है।

कार्यालय : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालोद (छ.ग.)

जिला न्यायालय परिसर, बालोद (छ.ग.)

फोन नं.- 07749-299056 ई-मेल : disa.balod@gmail.com

विज्ञापन

क्रमांक-151/जि.वि.से.प्रा./ 2025 बालोद, दिनांक 05.03.2025

आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि-19/03/2025 की संध्या 5.00 बजे तक (केवल स्पीड पोस्ट या रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से)

कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालोद जिला बालोद छ.ग. के अंतर्गत संचालित लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम बालोद के स्थापना हेतु नालसा लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम, संशोधित स्कीम 2022 में जारी दिशा निर्देश एवं छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर का पत्र क्रमांक 7490/एल.ए.डी.सी.एस.-23/2024 दिनांक 11.11.2024 में दिये निर्देशानुसार निम्नलिखित पद में से निर्धारित मानदेय पर संविदा नियुक्ति किये जाने हेतु भारतीय नागरिकों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

संविदा नियुक्ति हेतु रिक्त पदों का विवरण रिक्त पदों का नाम

स.क्र.	रिक्त पदों का नाम	रिक्त पदों की संख्या
01.	डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल	01 (अनारक्षित मुक्त वर्ग)
02.	असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस कौंसिल	02 (अनारक्षित मुक्त वर्ग)
03.	कार्यालय सहायक / क्लर्क	01 (अनारक्षित मुक्त वर्ग)
04.	ऑफिस प्यून (मुंशी / अटेन्डेंट)	01 (अनारक्षित मुक्त वर्ग)

टीप :- विज्ञापन का विस्तृत अवलोकन/आवेदन पत्र का प्रारूप एवं अन्य जानकारियां कार्यालय प्रधान जिला जिला एवं एवं सत्र न्यायाधीश, बालोद के ऑफिशियल वेबसाईट balod.dcourts.gov.in में उपलब्ध है, जहाँ से विज्ञापन में दिये आवेदन पत्र के प्रारूप का उपयोग डाउनलोड कर किया जा सकता है।

सही /-
अध्यक्ष
भर्ती एवं चयन समिति,
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालोद (छ.ग.)

जी-242505807/2

प्रशिक्षण के दौरान एसआई कैंडिडेट की हार्ट अटैक से मौत

मृतक के भाई ने फिजिकल टेस्ट पर उठाए सवाल, कैंडिडेट को दौड़ लगाने के दौरान आया अटैक

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

चंदखुरी स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में शुक्रवार को एक सब इंस्पेक्टर अभ्यर्थी की प्रशिक्षण के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। दौड़ लगाने के दौरान कैंडिडेट की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद अभ्यर्थी को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हार्ट अटैक से जिस कैंडिडेट की मौत हुई है, 10 मार्च को नियुक्ति पत्र देने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सूची में नाम शामिल था।

एसआई प्रशिक्षण के दौरान जिस कैंडिडेट की मौत हुई है, उसका नाम राजेश कुमार कोसरिया है। राजेश मूलतः महासमुंद, सपोस का रहने वाला है। बताया जा रहा है, घटना दिनांक को तड़के सभी एसआई अभ्यर्थियों की फिजिकल एक्टिविटी कराई जा रही थी। इस दौरान अभ्यर्थियों को ट्रैक पर दौड़ने के लिए कहा गया। राजेश कुछ दूरी तय कर पाया। इसके बाद दौड़ते हुए उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह जमीन पर गश खाकर गिर गया। पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिलाने में लगी पुलिस की टीम राजेश को तत्काल नजदीकी अस्पताल लेकर गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राजेश की मौत हार्ट अटैक से होने की पुष्टि मंदिर हसौद थाने की पुलिस ने की है।

परिजनों का व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह

मृतक के भाई कमलेश ने सिस्टम पर प्रश्नचिन्ह खड़े करते हुए जांच की मांग की है। मृतक के भाई ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि एसआई भर्ती के दौरान उसके भाई की अगर सही ढंग से मेडिकल जांच होती, तो जांच में हार्ट में कमजोरी की जानकारी पहले मिल जाती। मृतक के भाई का कहना है कि शहर से काफी दूर प्रशिक्षण केंद्र बनाया गया है, प्रशिक्षण केंद्र में अस्पताल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। अस्पताल होने पर राजेश की जान बच जाती। मृतक के भाई के अनुसार उसके भाई को अस्पताल लाने में एक घंटे लग गए।

रायपुर। डीडीनगर थाना में एक व्यक्ति ने अज्ञात महिला के खिलाफ उसकी मां की डगनिया स्थित जमीन को किसी अज्ञात महिला द्वारा किसी अन्य को धोखाधड़ी कर बेचने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

न्यायालयः सर्व विजय अग्रवाल
चतुर्थ जिला न्यायाधीश जांजगीर
जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.)

आ. क्र.108/25
25/02/25
व्यव. अपील क्र. 24 अ/24

धनीराम....... .....अपीलार्थी
विरुद्ध
श्यामबाई वगैरह.... .उत्तरवादीगण

प्रति,
दाऊ पिता स्व. एकादशिया जाति कुम्हार निवासी वार्ड नंबर 07. चांपा थाना व तहसील चांपा, जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) हाल मुकाम चिरमिरी कपूर सिंह दफाई छोटी बाजार खडगवा, जिला चिरमिरी मनेन्द्रगढ़ भरतपुर (छ.ग.)

इस न्यायालय में लंबित व्यवहार अपील क्रमांक 24 अ 2024 धनीराम विरुद्ध श्यामबाई वगैरह इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अतः उत्तरदायी क्र. 5 दाऊ पिता स्व. एकादशिया जाति कुम्हार, निवासी वार्ड नंबर 07. चांपा थाना व तहसील चांपा जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) हाल मुकाम चिरमिरी कपूर सिंह दफाई, छोटी बाजार खडगवा, जिला चिरमिरी मनेन्द्रगढ़ भरतपुर (छ..ग.) को इस समाचार पत्र के माध्यम से सूचना दी जाती है कि पेशी तारीख 27/03/2025 की 10.30 बजे इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता जिसे प्रकरण की पूर्ण जानकारी हो. के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण की कार्यवाही में भाग लेवे, उक्त दिनांक को उपस्थित नहीं होने पर आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण की सुनवाई की जावेगी। जिसकी जवाबदारी आप पर होगी।

यदि किसी कारणवश दिनांक 27/03/2025 को अवकाश घोषित हो जाता है, तो उसके अगले दिवस में सुनवाई की जावेगी।

आज दिनांक 25/02/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

दिनांकः 25/02/2025

(सर्व विजय अग्रवाल)
चतुर्थ जिला न्यायाधीश जांजगीर
जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, जांजगीर मुख्या. चांपा, जिला - जांजगीर चांपा (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 165360/निविदा सूचना क्र. 05/वले.लि./2024-25
दिनांक. 03.03.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 24.03.2025, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है-

कार्य का नाम:- जांजगीर चांपा जिले के सत्तीगुड़ी एनीकट में हाइड्रोपंपिंग द्वारा सिंचाई के लिए एनीकट से टर्बाइन पंप और टर्बाइन पंप से वितरण टैंक तक पाइपलाइन उपलब्ध कराना और बिछाना तथा जल टरबाइन के आधार का निर्माण।

अनुमानित लागत :- रूपये 209.67 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 10.03.2025, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। 2. निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. दिनांक 01.08.2010 (संशोधिन 01 08.2022) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग जांजगीर मुख्या. चांपा
जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता
हसदेव कछार जल संसाधन विभाग
बिलासपुर (छ. ग.)

जी-242505777/4

डायल 112 सेवा सभी जिलों में शुरू करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

राज्य में 11 पुराने जिलों सहित नए पांच जिलों में वर्तमान में डॉयल-112 की सेवा संचालित की जा रही है। डॉयल-112 सेवा का अब नए सिरे से टेंडर जारी करने की तैयारी की जा रही है। यह प्रक्रिया विधानसभा सत्र के बाद शुरू किए जाने की संभावना है। डॉयल-112 को और कैसे बेहतर बनाया जा सकता है, इसके लिए दो दिन पूर्व राज्य के नए पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने डॉयल-112 मुख्यालय पहुंचकर सिस्टम की जानकारी ली।

वर्तमान में डॉयल-112 सेवा का संचालन टाटा ग्रुप कर रहा है। टाटा ग्रुप का कार्यकाल दो वर्ष पूर्व अगस्त में पूरा हो चुका है। सेवा संचालित करने अब तक किसी नए ग्रुप को जिम्मेदारी नहीं दी गई है। इसके कारण डॉयल-112 सेवा का संचालन टाटा ग्रुप ही कर रहा है। सेवा में लगे ज्यादातर वाहन जर्जर हालत में हैं। नई कंपनी के आने के बाद डॉयल-112 सेवा की सूरत बदलने की उम्मीद है। नए ग्रुप के आने के बाद महेंद्रा ग्रुप की गाड़ियों के माध्यम से सेवा का संचालन किया जाएगा। वर्तमान में डॉयल-112 सेवा 11 पुराने जिले रायपुर, महासमुंद, दुर्ग, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बस्तर, सरगुजा, बिलासपुर, कबीरधाम, राजनांदगांव के अलावा रायपुर से अलग कर बलौदाबाजार, रायगढ़ से काटकर बनाए गए सारंगढ़-बिलाईगढ़, बिलासपुर से काटकर बनाए गए गौरेला-पेंड्रा- मरवाही तथा राजनांगांव से काटकर बनाए गए मोहला मानपुर, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में संचालित हो रही है। इसका विस्तार सभी 33 जिलों में करने की योजना है। डॉयल-112 आवश्यक सेवा में शामिल हो गई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए डीजीपी अरुण देव गौतम ने सिस्टम को और अपडेट करने निर्देश दिए हैं। वर्तमान में संबंधित जगह रवाना की गई गाड़ी की मॉनिटरिंग फोन के माध्यम से मुख्यालय से होती थी। इसे अपडेट करते हुए डॉयल-112 सेवा से जुड़े अफसर अपने मोबाइल से गाड़ियों की मॉनिटरिंग कर सकें, सिस्टम को इस तरह से विकसित करने डीजीपी ने निर्देश दिए हैं। राज्य के सभी जिलों में संचालित अग्निशमन सेवा को सिस्टम से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। वर्तमान में किसी जगह आग लगने की घटना की जानकारी डॉयल-112 को मिलती है, तो डॉयल-112 फायर ब्रिगेड को कॉल कर इसकी जानकारी देती है। अग्निशमन सेवा डॉयल-112 से जुड़ जाएगी।

शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद् लोक शिक्षण संचालनालय

ब्लॉक-सी, प्रथम तल, इन्द्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़
फेक्स नं. 0771-242521, दूरभाष कं. 0771-2511183
ई-मेल - cg.dpi.dir@gmail.com

क्र.शी.मु.क.कौ.प.प./वि.क.कौ.परीक्षा/49/24-2025/383 नवा रायपुर
दिनांक 05/03/2025

सूचना

शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद् लोक शिक्षण संचालनालय इंद्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर क. शी. मु. क. कौ.प.प./वि.कौ. परीक्षा/49/2024/258 दिनांक 22/8/2024 के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न शासकीय विभागों में अनुकम्पा नियुक्ति के तहत नियुक्त कर्मचारियों के लिए 5000 की डिप्रेशन एवं अन्य कर्मचारियों को कम्प्यूटर विशेष प्रोत्साहन भत्ते के लिए हिन्दी तथा अंग्रेजी मुद्रलेखन में 8000 की डिप्रेशन प्रतिघंटे के मान से विभागवार प्राप्त जानकारी के अनुक्रम में दिनांक 8/3/2025 से 14/3/2025 तक परिषद् के वेबसाईट https://ctsp.cg.nic.in के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे है । इस परीक्षा के लिए केवल शासकीय कर्मचारियों के ही आवेदन स्वीकार्य किये जायेगें। साथ ही आवेदक को अपने विभाग के आहरण संवितरण अधिकारी से हस्ताक्षरित निर्धारित प्रपत्र आवेदन के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य होगा । परिषद द्वारा तैयार प्रपत्र परिषद की वेबसाईड से डाऊनलोड किया जा सकता है ।

अभ्यर्थीगण अधिक जानकारी के लिए परिषद् के वेबसाईट https://ctsp.cg.nic.in का अवलोकन एवं हेल्पलाईन नम्बर 0771-2511183 में संपर्क कर सकेंगें।

सचिव
शीघ्रलेखन मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल
परीक्षा परिषद
लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर (छ.ग.)

जी-242505810/2

कार्यालय – कार्यपालक निदेशक (सिविल–परियोजना–I)

शेड नंबर–2, डंगनिया, रायपुर (छ.ग.)

कमांक : 04–02 / जीपी–III / 354 रायपुर, दि. 04.03.2025

आम सूचना

आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि छ.ग. शासन द्वारा छ.ग.स्टे.पा.जन.कं.लिमि. के पक्ष में तहसील तमनार, जिला रायगढ़ स्थित कोल ब्लॉक गारे–पेलमा सेक्टर–III के रकबा 629.538 हेक्टेयर क्षेत्र में खनिज कोयला का खनिपट्टा प्रदान किया गया है। आम जनता के द्वारा उक्त दिये गये खनिपट्टा के संबंध में छ.ग. भू–राजस्व संहिता की धारा 247 अथवा अन्य विधि के अंतर्गत यदि कोई कार्यवाही जिला न्यायालय रायगढ़ में की जाती है, तो इस संबंध में कंपनी के द्वारा अतिरिक्त शासकीय अभिभाषक श्री दीपक शर्मा, हाऊस नं. 156 / KH, कोरबा रोड, वार्ड नं. 15, दरोगा पारा, रायगढ़ के माध्यम से जिला न्यायालय रायगढ़ में एक केविएट प्रस्तुत किया जा रहा है। अतः यह सूचना आम जनता हेतु प्रकाशित है ।

कार्यपालक निदेशक (सि.–परि–I)
छ.ग.स्टे.पा.जन.कं.लिमि., रायपुर

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाऐं

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION COMPANY LIMITED

(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)

No. 03-03/ TN-438/24-25/539 Raipur, Dtd 06/ 03 /2025

E-TENDER NOTICE NO. TN-438

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from Experienced & reputed contractors for Supply/ work as mentioned below:-

S. No.	Tender no. /RFx no.	Description	Date & time for bid submission
1.	DW-512/24-25 8100041897 (With RLA)	Work Contract for Chemical shifting dosing and miscellaneous work associated with Pre Treatment D.M. plant, drinking water plant, DSPM TPS, CSPGCL, Korba East.	Up to 03.04.2025 15:00 Hrs.
2.	HW-513/24-25 8100041718 (With RLA)	AOH work of 8.5 E 9 Mills & Coal dust circuit of 2x210 MW ABL Make Boilers of Unit No. 3&4, HTPS, Korba, West.	Up to 03.04.2025 15:00 Hrs
3.	DW-525/24-25 8100041434 (With RLA)	Annual Contract for Operation & Maintenance of Air Conditioning Plant of 2x250 MW DSPM TPS, KEB.	Up to 03.04.2025 15:00 Hrs
4.	DW-527/24-25 8100041811 (With RLA)	Work Contract for Assistance in Mechanical maintenance of CHP at DSPMTPS, Korba East.	Up to 03.04.2025 15:00 Hrs
5.	HW-528/24-25 8100041814 (With RLA)	AOH work of Tubular Air Heaters of 2x210 MW ABL make Boilers of Unit No. 3&4 of HTPS, Korba West.	Up to 03.04.2025 15:00 Hrs
6.	HW- 535/24-25 8100041918 (With RLA)	"Daily Cleaning of Mill Area & Platform, Removal & Transportation of Reject from Unit no. 1 to 4 at HTPS, Korba (West)"	Up to 03.04.2025 15:00 Hrs

The details of NIT can be viewed from our website www.cspc.co.in and the Tender Documents can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal:– https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal
Any amendment/corrigendum, if required, will be displayed on our website only.

Chief Engineer (S&P:Gen)
CSPGCL: Raipur

SAVE ELECTRICITY

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष – बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह – मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला – शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक – किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर – मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ – मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन – संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

शब्द पहेली - 5800

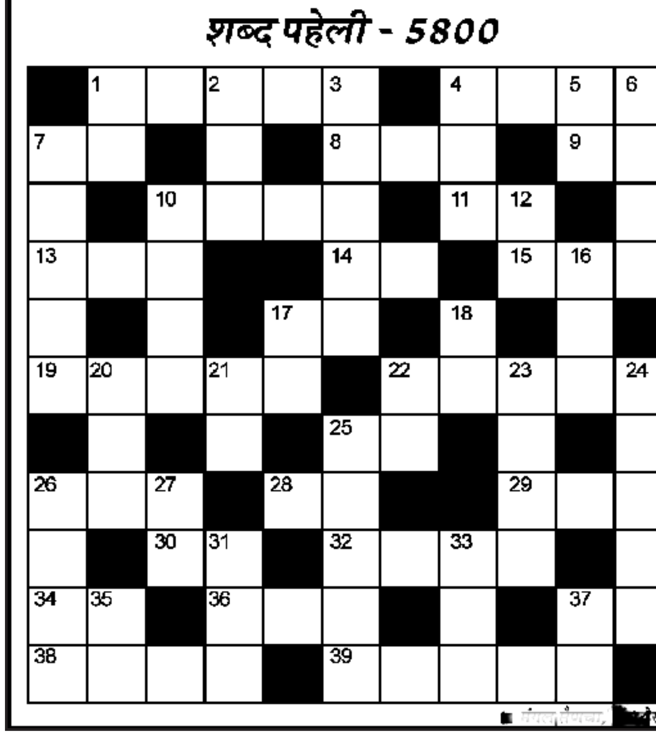

बाएँ से दाए-
1. दयालु.उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,सुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 5799 का हल

सूडोकु नवताल - 5810

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5809 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

MANGAL S

बिलासपुर
शनिवार, 8 मार्च 2025
फाल्गुन शुक्ल पक्ष नवमीं
वर्ष : 24, अंक : 344
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***
मौसम
अधि. 34.5
न्यून. 16.7
haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

फौलादी नगरी भिलाई का फौलादी जज्बा, प्रभा ने पावर लिफ्टिंग से लेकर स्काई ड्राइविंग तक जौहर दिखाया

चार दशक का संघर्ष और नाप लिया

जमीं से आसमां

विमलशंकर झा ▶▶| भिलाई

देश में औद्योगिक तीर्थ के नाम से जाने जाने वाले भिलाई में फौलाद ही नहीं ढाला जाता, बल्कि प्रतिभाएं भी गढ़ी जाती हैं। खेलों में महिलाएं पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर देश विदेश में परचम लहरा रहीं हैं, वरन कुछ क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे बढ़ रही हैं। इस्पात नगरी की पचास पार की बहूमुखी प्रतिभा की धनी प्रभा ठाकुर हुसैन स्पोर्ट्स में एक ऐसी अनूठी एंग्री वूमेन हैं, जो अपने शारीरिक दमखम और हौसले से कई खेलों और एडवेंचर में देश दुनिया में भिलाई और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। 57 वर्षीय यह प्रतिभाशाली स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर एंग्री वूमेन अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर जमीन से लेकर आकाश तक गजब का जौहर दिखा रही हैं।

जिस उम्र में लोग रिटायरमेंट के करीब होते हैं और थकान के साथ शरीर में बीपी, शुगर जैसी बीमारियां घर बनाने लगती हैं, उस आयु में यदि कोई महिला बहूप्रतिभा और साहस की मिसाल बन जाए तो सुखद आश्चर्य होता है। हरफनमौला महिला प्रभा हुसैन की भिलाई की पहली महिला पावर लिफ्टर होने से लेकर फर्राटा वूमेन और स्काई डाइवर बनने तक की चार दशक से अधिक की कहानी जितनी संघर्षपूर्ण है, उतनी ही प्रेरक भी है। प्रभा बताती हैं कि बीएसपी सेक्टर दो गर्ल्स स्कूल में पढ़ते हुए 1975 में 5वीं से 8 वीं में खोखो से खेलों का सफर शुरु किया। 11 कक्षा में पढ़ते हुए व कल्याण कालेज में बतौर एनसीसी कैडेड 1984 और 87 में 2 बार गणतंत्र दिवस परेड दिल्ली में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर नेशनल गेम में 8 सौ, 3 हजार व 5 हजार मीटर मैराथन दौड़ में द्वितीय स्थान मिला। 87 में पूना में 21 किमी की अंतर्राष्ट्रीय मैराथन दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्हें पीएम इंदिरा, राजीव, राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने सम्मानित किया।

आगे नेशनल पंजा कुश्ती, पावर लिफ्टिंग फिर अंतरराष्ट्रीय मैराथन दौड़ सहित कई खेलों में, होंगे सबसे आगे हिंदुस्तानी... का गौरवशाली सिलसिला आज 57 के पायदान पर पहुंचते तक हवाई जहाज से जंपिंग के स्काई डाइविंग के साहसिक एडवेंचर तक बना हुआ है। दौड़ (रनिंग) व स्काई डाइविंग के जुनून ने अंतर्राष्ट्रीय शोहरत दिलाई। भिलाई में नेशनल पंजा कुश्ती में गोल्डज व पावर लिफ्टिंग में प्रथम आकर राज्य की पहली महिला पावर लिफ्टर होने का गौरव हासिल किया। यहां तक पहुंचने में बीएसपी में कार्यरत पिता वीरेंद्र बहादुर सिंह और शादी के बाद बीएसपी में कार्यरत रहे और बास्केट बाल खिलाड़ी ▶▶| शेष पेज 3 पर

परिवार से मिलती है रेसिंग के लिए स्टेमिना

सत्तावन वर्षीय प्रभा हुसैन परिवार को संभालते, संवारते हुए उतनी ही स्प्रिट और स्टेमिना से आगे बढ़ रही हैं, जितना शादी के पूर्व दौड़ रही थी। अब अपना पूरा फोकस मैराथन दौड़ व स्काई डाइविंग पर किया हुआ है। उन्होंने 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में वर्ष 2024 में एम्सटर्डम नीदरलैंड में 140 देशों के 48 हजार प्रतिभागी वाले इंटरनेशनल मैराथन दौड़ में भारत का प्रजेंटेशन किया। इसके पूर्व नेशनल प्रतियोगिता में 5 हजार मीटर दौड़ व लंबी कूद में में भारत में प्रथम और 15 सौ मीटर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इतना ही नहीं, वे 2022 में मेदिनापुर बांग्लादेश में 5 किमी दौड़ में प्रथम,15 सौ मीटर में द्वितीय व 23 में हैदराबाद में 15 मीटर के मैराथन दौड़ में द्वितीय स्थान मिला। रेसिंग के अलावा उड़नपरी प्रभा आसमानी गोतोखोरी के एडवेंचर में भी कमाल दिखा रही हैं। उन्होंने 2022 में दुबई में स्काई डाइविंग गेम में हवाई जहाज से 13 हजार फीट ऊंचाई से हवा में हैरतअंगेज छलांग लगाई। इसके बाद 24 में नीदर लैंड टैक्सल आईलैंड में भी दूसरी बार 13 हजार फीट ऊंचाई से जंप कर दुनिया को रोमांचित किया। ऋषिकेश हिमालय में हजारों फीट नीचे खाई में वे बंजी जंपिंग भी कर चुकी हैं। बुलेट मोटर सायकल व जीप में भी करतब दिखाने वालीं प्रभा अब कुछ नया कीर्तिमानी ▶▶| शेष पेज 3 पर

- बीएसपी सेक्टर दो गर्ल्स स्कूल में पढ़ते हुए 1975 में खोखो से खेलों का शुरु किया सफर
- नेशनल गेम में 8 सौ, 3 हजार व 5 हजार मीटर मैराथन दौड़ में मिला द्वितीय स्थान

स्ट्रांग वूमेन अंजू फिटनेस के शौक ने बना दिया चैंपियन

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

लक्ष्य, हौसला और जुनून जब तीनों मिल जाते हैं तो किसी भी असंभव कार्य को संभव बनाने के लिए ज्यादा वक्त नहीं लगता है। शारीरिक शक्ति के लिए पहले मानसिक मजबूती की जरूरत होती है। जज्बा और साहस हो तो फिर उम्र भी आड़े नहीं आती है। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है राजनांदगांव के पुलिस विभाग में पदस्थ प्रधान आरक्षक अंजू सिंह ने। वह अपने अथक परिश्रम से पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में अपनी शारीरिक शक्ति का लोहा मनवा रही है। 50 की उम्र में भी अंजू सिंह ने दर्जनों राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते गोल्ड और सिल्वर सहित कई मेडल हासिल किए हैं।

फिटनेस से मिला लक्ष्य

प्रधान आरक्षक अंजू सिंह का कहना है कि लगभग 10 वर्ष पहले उन्होंने फिटनेस के तौर पर जिम ज्वाईन किया था। यहां वर्जिश के दौरान उनके प्रशिक्षक आकाश सोनी ने उन्हें पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में जाने की प्रेरणा दी और उन्होंने पावर लिफ्टिंग के खेल को अपना लिया। ▶▶| शेष पेज 3 पर

पचास की उम्र में भी दिखा रही दम, 12 नेशनल और 16 स्टेट मैच में जीते कई पदक

हौसला जरूरी, उम्र बाधा नहीं

अंजू सिंह कहती है कि किसी लक्ष्य को प्राप्त करने उम्र बाधा नहीं होती, बल्कि उस लक्ष्य के प्रति जुनून होना चाहिए। उन्होंने महिला दिवस पर अन्य महिलाओं को भी संदेश देते कहा है कि आप जिस भी क्षेत्र में काम कर रहे हैं, उसे पूरी लगन और निष्ठा से करें तो सफलता जरूर मिलेगी।

धरती से लेकर लद्दाख की 17000 फीट की ऊंचाई पर भी किया रन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

धरती से लेकर पर्वत की बुलंदियों तक अपने जोश, जुनून और हौसले से दौड़कर प्रियंका श्रीरंगे ने नई इबारत लिख दी है। कभी एक किलोमीटर तक दौड़ने पर थकान महसूस करने वाली प्रियंका श्रीरंगे आज 50 किलोमीटर की प्रोकैम स्लैम फिनिशर बन गई है।

धावक प्रियंका श्रीरंगे राजनांदगांव में जिला रजिस्ट्रार के पद पर पदस्थ है। उन्होंने राजनांदगांव रनर्स ग्रुप से जुड़कर दौड़ का अभ्यास किया। शुरूआत में उन्हें एक किलोमीटर दौड़ना भी मुश्किल लगता था, लेकिन इसके बाद उन्होंने डॉ. दीपिका पटेल के मार्गदर्शन में दौड़ना शुरू किया और फिर उन्होंने स्वयं को एक मजबूत धावक के रूप में प्रस्तुत किया।

▶▶| शेष पेज3 पर

कभी एक किमी दौड़ने का जुनून ऐसा कि 50 किमी की दौड़ भी हो गई आसान

रायपुर की दौड़ से मिला प्रोत्साहन

प्रियंका श्रीरंगे ने अपनी इस सफर की शुरूआत वर्ष 2019 में रायपुर के पिंकाथॉन में अपनी रनिंग यात्रा से शुरू की और इसके बाद हाफ मैराथन, फुल मैराथन और अल्ट्रा मैराथन में भाग लिया। उन्होंने वर्ष 2020 में टाटा मुंबई मैराथन, लेट्स रन रायपुर, 2021 में लेट्स रन रायपुर, 2022 में लद्दाख हाफ मैराथन में 17000 फीट की ▶▶| शेष पेज 3 पर

चिंतन

महज एक परंपरा नहीं है अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

पूरी दुनिया में 8 मार्च को महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह महज एक परंपरा या औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज की उन्नति और विकास की सबसे अहम बुनियाद है। यह सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि नारी शक्ति के संघर्ष, संकल्प और सफलता का उत्सव है, लेकिन हम इस उत्सव को किस रूप में लेते हैं, ये हमारी मानसिकता पर निर्भर करता है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं, लेकिन यह सफर इतना आसान नहीं था। एक समय था जब महिलाओं को न तो शिक्षा का अधिकार था, न ही वोट देने का और न ही उन्हें पुरुषों से बराबरी करने का। इस असमानता के खिलाफ महिलाओं ने आवाज उठाई और 1908 में न्यूयॉर्क शहर में करीब 15,000 महिलाओं ने एक विशाल प्रदर्शन किया। वे कम वेतन, बेहतर काम करने की परिस्थितियां और वोटिंग के अधिकार की मांग कर रही थीं। इस आंदोलन ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा और 1910 में डेनमार्क के कोपेनहेगन शहर में पहला अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में जर्मनी की समाजवादी नेता क्लारा जेटकिन ने यह प्रस्ताव रखा कि हर साल एक दिन महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए समर्पित किया जाना चाहिए। इस विचार को कई देशों ने अपनाया और 1911 में पहली बार ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। अब हालात वैसे नहीं हैं। महिलाएं बराबरी पर खड़ी हैं। पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दुनिया को नई रफ्तार दे रही हैं, लेकिन फिर भी लगातार ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं जो सोचने पर मजबूर करती हैं कि शायद आज भी हमारे ही बीच ऐसे लोगों को कमी नहीं है जो महिला अधिकारों की बात तो करते हैं, लेकिन उनकी मानसिकता में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। बीते दिनों ही महाराष्ट्र के जलगांव से आई भाजपा नेत्री की नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ की खबर न केवल हैरान करती है बल्कि महिलाओं की स्थिति पर सवाल भी खड़े करती है।देश के अन्य हिस्सों से भी ऐसी घटनाओं की खबरें आती रहती हैं। ध्यान देने की बात है कि बेटी के साथ कथित छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराने केंद्रीय मंत्री खुद थाने पहुंचीं। हालांकि उन्होंने कहा कि वह थाने में मंत्री या सांसद की हैसियत से नहीं बल्कि एक मां के रूप में आई हैं। लेकिन उन्होंने यह सवाल भी किया कि जब एक केंद्रीय मंत्री और सांसद की बेटी के साथ ऐसा हो सकता है तो आम घरों की लड़कियों की क्या दशा होगी। ध्यान रहे यह इकलौती घटना नहीं है। हर दिनों समाचार पत्रों में ऐसी खबरों की भरमार रहती है। अनिवार्य है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन मामला सिर्फ कानून व्यवस्था का नहीं है, समाज की संवेदनशीलता का भी है। परिवार में लड़कों के पालन-पोषण के तौर-तरीकों का भी है। देश के कोने-कोने से ऐसी छेड़छाड़ की खबरें आती रहती हैं और उससे कहीं ज्यादा के बारे में तो पता भी नहीं चलता। ऐसे मामलों को रोकने के लिए कानूनी सख्ती के साथ घर के अंदर भी पहल करनी होगी। लड़कों को कम उम्र से ही बताना होगा कि लड़कियों-स्त्रियों के साथ किस तरह से पेश आना चाहिए। उन्हें अपनी संस्कृति संस्कारों से जोड़ना होगा। हम उस देश के वासी हैं जहां महिला शक्ति को माता का दर्जा प्राप्त है। साल में दो बार नवरात्रें मनाकर महिला शक्ति को पूजते हैं। इसके बावजूद अगर ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं तो हमें तुरंत सजग होना होगा। युवा पीढ़ी को भी सुसंस्कारी बनाना होगा, तभी महिलाओं को सही सम्मान मिल सकेगा।

महिला दिवस

प्रो. नीलिमा गुप्ता

> महिला शिक्षा व सशक्तिकरण एक दूसरे से गहरे से जुड़े हुए हैं, क्योंकि शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों, अवसरों और जिम्मेदारियों को समझ सकती हैं। शिक्षा के द्वारा ही महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मसम्मानित और सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। महिला शिक्षा व सशक्तिकरण की प्रक्रिया केवल महिलाओं के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक शिक्षित महिला ही सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकती है, अपनी सामाजिक स्थिति में सुधार करती कर सकती है व पूरे परिवार और समाज को भी प्रगति की दिशा में ले जा सकती है।

शैक्षिक सशक्तिकरण के अवसर मिले

एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा की अहम भूमिका होती है। शिक्षा न केवल व्यक्तिगत जीवन को समृद्ध करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी सहायक है। आज आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने की तरफ भारत आगे बढ़ रहा है। शिक्षा को आत्मनिर्भरता की नींव कहा जा सकता है, क्योंकि जब किसी व्यक्ति या समाज को उचित शिक्षा मिलती है, तो वह न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में सुधार करता है, बल्कि वह देश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिए आवश्यक है कि देश के नागरिक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करें और उसे अपने जीवन में सही ढंग से लागू करें।

आज कौशल विकास के कई अवसर युवाओं के सामने हैं जिससे वे न केवल रोजगार पा सकते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर बनकर देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकते हैं। नई तकनीकों और नवाचारों का ज्ञान प्राप्त कर युवा भारत अपनी एक मजबूत और प्रतिस्पर्धात्मक ताकत बनने की क्षमता रखता है। शिक्षा नागरिकों को अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक तो करती ही है, साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता जैसे महत्त्वपूर्ण आयामों के प्रति भी नागरिक बोध भी कराती है। यह समाज में जाति, वर्ग, जेंडर विभेद को दूर करने का एक माध्यम भी है ताकि सभी नागरिकों को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठ होकर सेवा का समान अवसर उपलब्ध हो सके। स्वावलंबन और नागरिक बोध से युक्त भारत की जनसंख्या न केवल उसकी शक्ति है बल्कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करती है। इस महती संकल्पना को साकार में करने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए महिला शिक्षा के महत्व को समझना आवश्यक है। महिला शिक्षा और सशक्तिकरण एक दूसरे से गहरे से जुड़े हुए हैं, क्योंकि शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों, अवसरों और जिम्मेदारियों को समझ सकती हैं। महिला शिक्षा के द्वारा ही महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मसम्मानित और सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। महिला शिक्षा और सशक्तिकरण की प्रक्रिया केवल महिलाओं के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक शिक्षित महिला ही सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकती है, अपनी सामाजिक स्थिति में सुधार करती कर सकती है तथा पूरे परिवार और समाज को भी प्रगति की दिशा में ले जा सकती है। महिलाओं का शिक्षित होना और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना समाज में समानता की मुख्य कुंजी है। महिलाएं शिक्षा के माध्यम से न केवल रोजगार प्राप्त करती हैं बल्कि वे अपने परिवार की आर्थिक सुदृढ़ीकरण में योगदान करती हैं। इससे महिलाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होती है और उनकी आर्थिक रूप से निर्भरता समाप्त होती है। आर्थिक सक्षमता महिलाओं में निर्णय की क्षमता का विकास करती है और यही स्थिति उन्हें समाज में बराबरी का स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण साबित होती है। शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएं स्वयं और परिवार के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखने में सक्षम होती हैं। वे पोषण, स्वच्छता और देखभाल के महत्व को बेहतर समझती हैं। उनकी यह काबिलियत न केवल उनकी बल्कि पूरे परिवार और समाज की जीवनशैली में

सुधार करती है और जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में मदद करती है। समाज में स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण तभी संभव है जब उस समाज की महिला सशक्त हो। महिला सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है कि महिलाओं को उनके अधिकारों, अवसरों और विकल्पों में पूरा समर्थन मिले, ताकि वे समाज में आत्मनिर्भर, स्वतंत्र और समृद्ध जीवन जी सकें। यह उनके सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और मानसिक सशक्तिकरण से भी जुड़ा हुआ है। यह जरूरी है कि महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में शिक्षा दी जाए, ताकि वे अपने जीवन के निर्णय खुद ले सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि उनके आत्मविश्वास से उनकी आवाज बुलंद हो और वे नीतियों में परिवर्तन ला सकें। महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर लड़की को शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिले, खासकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में। इसके लिए विद्यालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और छात्रवृत्तियां प्रदान करना जरूरी है। समाज को भी यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि समग्र समाज के विकास के लिए आवश्यक है। इसलिए समाज को भी अपनी मानसिकता में बदलाव लाने, भेदभाव को समाप्त कर महिलाओं को समान अधिकार प्रदान करने की पहल करनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं की सुरक्षा भी अहम है। सरकार और समाज को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाएं बिना किसी डर के अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकें। इसके लिए भारत सरकार द्वारा प्रभावी कानून और नीतियां भी लाई गई हैं। महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी देना, उनकी देखभाल भी सशक्तिकरण का एक आवश्यक पहलू है। एक स्वस्थ महिला ही सशक्त बनकर अपने परिवार और समाज का सही दिशा में मार्गदर्शन कर सकती है। इसके लिए हमें शैक्षणिक संस्थानों में भी छात्राओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें गुणात्मक शिक्षा प्रदान कर समान स्तर पर लाना होगा। महिला शिक्षा के माध्यम से उन्हें समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना हम सबका कर्तव्य है। अगर हम एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र चाहते हैं तो हमें महिलाओं को शिक्षा और सशक्तिकरण के सही अवसर प्रदान करने होंगे।

(लेखिका डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.) में कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

लैंगिक समानता

अर्चना कुमारी

'आधी आबादी' को पूरा हक मिलना चाहिए

भारत में महिलाएं देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। यूं तो यह आधी आबादी कभी शोषण तो कभी अत्याचार के मामलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। हालांकि जब भी हम महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिए सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद ज़रूरी है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि देश में आधी आबादी राजनीति में अभी भी हाशिये पर है। ये स्थिति तब है, जबकि जितनी भी महिलाओं को राजनीति के निचले पायदान से ऊपरी पायदान तक जितना भी और जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमताओं का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है? वह भी तब, जब हम इस वर्ग को 'आधी आबादी' का संबोधन देते हैं। यह बात सही है कि स्त्री शक्ति ने देश-दुनिया में समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, लेकिन महिलाओं को कमतर होने का अहसास दिलाने की पुरुष वर्ग की मानसिकता आज भी स्त्रियों को उनके हकों से वंचित कर रही है। नारी सशक्तीकरण की बातें कागजी योजनाओं में काफी अच्छी लगती हैं पर धरातल पर अभी काफी कुछ होना बाकी है। खास तौर से आधी आबादी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बराबरी का हक देने को लेकर। यह विडम्बना ही है कि विधायिकाओं में 50 फीसदी नहीं, बल्कि महज 33 फीसदी आरक्षण की सालों से चल रही मांग आज तक अधूरी ही है। पंचायत और स्थानीय निकाय स्तर पर आरक्षण से महिलाओं को मौका जरूर मिला लेकिन यहां भी कितना सशक्तीकरण नारी शक्ति का हो पाया है यह किसी से छिपा नहीं है। शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वावलंबी, ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं के विपरीत लैंगिक भेदभाव की उस तस्वीर को भी देखना होगा जहां महिलाओं को यह तक पता नहीं कि कानून ने किन-किन क्षेत्रों में उनको कितना संरक्षित कर रखा है। वहीं संसद में भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। भारत की मौजूदा जनसंख्या के अनुसार, लोकसभा में एक निर्वाचित सांसद औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं एक निर्वाचित महिला सांसद औसतन 92 लाख महिलाओं का प्रतिनिधित्व करतीं हैं। जाहिर है महिला अधिकारों और महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के दावों और उसकी वास्तविकता के मध्य एक गहरा विरोधाभास और राजनीतिक दलों का दोगलापन है।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उसमें महिलाओं की क्या स्थिति है? दुनिया की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, इसलिए जब तक उनका समुचित विकास नहीं होता कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी, जब उन्हें घर-परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। लेकिन ये सच है कि पितृसत्तात्मक मानदंडों और परम्परागत मानसिकता के चलते ऐतिहासिक रूप से भारत में महिलाओं को हाशिए पर रखा गया। आजादी के बाद भारत के संविधान ने ये व्यवस्था दी कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में पुरुषों एवं महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाएगा, लेकिन भारत में अधिकांश विधानसभाओं में महिला सदस्यों के प्रतिनिधित्व का परिदृश्य आज भी निराशाजनक है। वास्तव में भारत की आधी आबादी का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित है।

वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की ओर से जारी रिपोर्ट में भारत का नाम 146 देशों की सूची में 135वें स्थान पर रहा है। आज ज़रूरत इस बात की है कि इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी कम होने के पीछे प्रमुख कारण अब तक समाज में पितृसत्तात्मक ढाँचे का मौजूद होना है। हमें इस बात को समझना होगा कि पुरुषों और महिलाओं की समान भागीदारी न केवल न्याय और लोकतंत्र के लिए अहम है, बल्कि ये सुव्यवस्थित मानव अस्तित्व के लिए भी अनिवार्य है।जाहिर है, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक और प्रशासन से लेकर राजनीति तक बेटियों को अभी काफी अवसर और सुविधाएं देना बाकी है। यह काम सरकारों को भी करना है और समाज को भी।

(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जब मन अशांत हो, इष्टदेव के मंत्रों करे जप

संकलित

दर्शन

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

सफलता के लिए योजना बनाकर काम करे

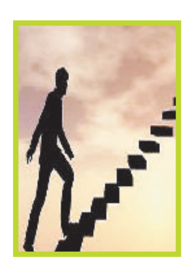

संकलित

प्रेरणा

जब भगवान विष्णु श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेने वाले थे। देवकी और वसुदेव कंस की कैद में थे। कंस ने देवकी-वसुदेव की 6 संतानों का वध कर दिया था। सातवीं संतान के रूप में बलराम देवकी के गर्भ में आए तो भगवान विष्णु ने योगमाया से कहा था कि आप इस सातवीं संतान को देवकी के गर्भ से निकाल कर वसुदेव जी की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दो। इसके बाद कंस को ये सूचना दी जाएगी कि सातवां गर्भ गिर गया है। योगमाया ने ऐसा ही किया। इसके बाद जब आठवीं संतान के जन्म का समय आया तो भगवान ने योगमाया से कहा कि अब मेरे अवतार लेने का समय आ गया है। जब मेरे अवतार का जन्म होगा, ठीक उसी समय आप गोकुल में यशोदा के गर्भ से जन्म लेना। वसुदेव जी कंस के कारागर से निकालकर मुझे गोकुल पहुंचाएंगे और आपको लेकर कंस के कारागार में आ जाएंगे। जब कंस आठवीं संतान को मारने के लिए आएगा तब आप मुक्त हो जाना। भगवान ने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुसार श्रीकृष्ण का अवतार हो गया। इस कथा में भगवान ने संदेश दिया है कि जब भी कोई काम करना हो तो उसकी योजना जरूर बनाएं। योजना अच्छी होगी तो सफलता जरूर मिलेगी।

अटुकल पोंगाला उत्सव

तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार को अटुकल पोंगाला उत्सव के दौरान अटुकल भगवती मंदिर में भक्त विलाक्कुकेट्टू जुलूस में भाग लेते हुए।

आज की पाती

प्रकृति स्वरूपा है नारी ब्रह्मांड का आधार है नारी

प्रति वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं की सुरक्षा के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल की सच्चाईयां बहुत ही खौफनाक हैं। महिलाओं पर जुल्म बढ़ते ही जा रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि नारी प्रकृति स्वरूपा है, नारी ब्रह्मांड का आधार है, नारी जगत जननी है, न मजबूर न समझो इसे बेचारी। सजीवन एक खूबसूरत यात्रा है। इसी यात्रा में हम संघर्ष करते हुए सदैव गतिमान रहते हैं।

-मदन बाजपेयी, भिलाई

करंट अफेयर

ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के घने बालों की प्रशंसा की

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के घने बालों की सराहना की और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों को संदेश दिया कि उन्हें जल्द धरती पर वापस लाया जाएगा। ट्रंप (78) ने अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे बुच विल्मोर और विलियम्स को पृथ्वी पर वापस लाने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत रूप से एक बचाव दल को कक्षा में भेजने की संभावना का जिक्र किया और आठ दिन के मिशन के नौ महीने तक जारी रहने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना की। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा, 'बाइडन ने उन्हें वहीं फंसा छोड़ दिया।' उन्होंने कहा, 'हमारे दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। मैंने एलन (मस्क) से कहा, 'मेरा एक काम करो। क्या तुम उन्हें बाहर निकाल कर ला सकते हो? उन्होंने कहा 'हां'। वह वहां जाने की तैयारी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि दो सप्ताह में। ट्रंप ने कहा कि मस्क अभी एक यान तैयार कर रहे हैं जो ऊपर जाएगा और उन्हें वहां से ले जाएगा।

ऑफ बीट

पुराना पीठ दर्द मस्तिष्क से होता है उत्पन्न

पुराने पीठ दर्द से पीड़ित अधिकांश लोग स्वाभाविक रूप से सोचते हैं कि उनका दर्द चोट या शरीर में अन्य समस्याओं जैसे गठिया या उभरी हुई डिस्क के कारण होता है। लेकिन हमारी शोध टीम ने पाया है कि मस्तिष्क में होने वाली प्रक्रिया के रूप में दर्द के मूल कारण के बारे में सोचने से रिकवरी को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। हम दर्द पुनर्संसाधन थेरेपी नामक एक मनोवैज्ञानिक उपचार का अध्ययन कर रहे हैं जो मस्तिष्क में अप्रभावी और अनावश्यक दर्द संकेतों को 'बंद' करने में मदद कर सकता है। पुराने समय से चला आ रहा दर्द आज सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह अमेरिका में विकलांगता का प्रमुख कारण है, और इसकी आर्थिक लागत मधुमेह या कैंसर से भी अधिक है। सबसे आम दीर्घकालिक दर्द पीठ दर्द है। कई मरीज़ - और डॉक्टर - पीठ की विभिन्न समस्याओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिनके बारे में उन्हें संदेह है कि यह दर्द का कारण हो सकता है। इसलिए वे हर तरह के उपचार आज़माते हैं, लेकिन अक्सर कोई फायदा नहीं होता।

ट्रेंड

तमिल में पाठ्यक्रम

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को भी जल्द से जल्द तमिल भाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू करना चाहिए। इससे तमिल माध्यम से पढ़ाई करने वाले छात्रों को लाभ होगा।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

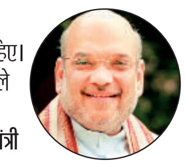

विकास का दीप जलाएंगे

विगत सरकारों ने दिल्ली के हर विभाग, हर व्यवस्था को इतना बदहाल कर दिया है। हमें एक जंग लगा हुआ सिस्टम विरासत में मिला है लेकिन हम अपने बुलंद हौसलों और कर्तव्यनिष्ठा से दिन-रात काम करके दिल्ली में विकास का दीप जलाएंगे।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

महिलाओं को प्रोत्साहन

इस पहचान के लिए मैं बहुत आभारी हूँ, मैं और अधिक महिलाओं को आगे आने और अपनी यात्रा की पटकथा लिखने में यथास्थिति को चुनौती देने के लिए प्रोत्साहित करती हूँ।

-किरण मजूमदार-शॉ, उद्यमी

उम्र सिर्फ एक संख्या

जिस शख्स ने फिल्मों में 28 साल की उम्र में 65 साल के बुजुर्ग की भूमिका निभाई हो, और ज्यादातर अपनी उम्र से बड़े किरदारों के रोल किए हों, उसकी जवानी तो अब शुरू हुई है! उम्र सिर्फ़एक संख्या है, मैं इसका आदर्श उदाहरण हूँ।

-अनुपम खेर, अभिनेता

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

प्रथम पृष्ठ का शेष

रोक-टोक को नजरअंदाज ...

पड़ा। उन्हें आज भी लगाता है कि छोटे कपड़ों में खड़ा होना शर्म की बात है। लेकिन समाज और परिवार में ऐसी मानसिकता वाले लोगों की बातों को मैंने शुरू से नजरअंदाज किया। इस फील्ड में आने के लिए लड़ाई भी करनी पड़ी। बॉडी बिल्डिंग के लिए शरीर बनाना सिर्फ जिम जाने से नहीं होता, यह एक 24 घंटे का काम है। एक महिला के लिए अपनी मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखना पुरुषों से अधिक कठिन होता है, क्योंकि पुरुषों का शरीर बॉडी बिल्डिंग के लिए बना है महिलाओं का नहीं। इसलिए यहां भी चुनौतियां अधिक होती है।

कभी हिम्मत नहीं...

और मानसिक रूप से तैयार होकर उस प्रतियोगिता में भाग लिया। परिणामस्वरूप मैंने पहला स्थान प्राप्त किया और साबित किया कि अगर इरादा मजबूत हो, तो कोई भी मुश्किल बाधा नहीं बन सकती।

वजन बढ़ाने के ...

टाइटल जीत चुकी हैं और अब वह इंटरनेशनल लेवल पर भाग लेने की तैयारी कर रही हैं।

जीवन कठिन बन ....

और अपने सपनों को पूरा कर सकती है।

बॉडी फिट, लाइफ हिट...

जिंदा रखने का संदेश दे रहे हैं।

महिला दिवस के मौके पर इस बार उन महिलाओं की कहानी जो उम्र का चौथा दशक पार कर पांचवें दशक में कदम रख चुकी हैं। इसके बाद भी घर-परिवार की अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए नौकरी संग खेल और फिटनेस सेक्टर में अपना लोहा मनवा रही हैं। इनमें से कई तो ऐसी हैं, जिन्होंने चौथे-पांचवें दशक में ही पहली बार अपने खेल की शुरुआत की।

फिलहाल सिंगल, घर...

अलग तरह का सुकून मिलता है। घर में मेरे अलावा सिर्फ मां हैं। मां को नहीं बताती की बॉडी बनाने के लिए स्टेरॉयड लेती हूं। मां को इन सब चीजों से डर लगता है, लेकिन जब जीतकर आती हूं तो सबसे ज्यादा खुशी भी उन्हें ही होती है। मैं अभी सिंगल हूं। अधिक से अधिक वक्त बॉडी बिल्डिंग, वेट लिफ्टिंग और फिटनेस कोचिंग को देना चाहती हूं। कितनी भी विपरित परिस्थितियां रहें मैं रोजाना कम से कम तीन घंटे का समय वेट लिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग में देती ही हूं।

जब आपको हार सामने ...

शब्दों में नहीं की जा सकती। लेकिन अभी मेरी जर्नी खत्म नहीं हुई है अभी मुझे ओर भी बहुत कुछ करना है। मेरा जीवन ही संघर्षों से भरा हुआ था- मप्र के इंदौर की रहने वाली वंदना ठाकुर ने कहा कि मेरा जीवन ही संघर्षों से भरा हुआ था, क्योंकि बहुत छोटी थी तब कारगिल वॉर में मेरे पिता शहीद हो गए थे, उसके बाद मां को कैंसर हुआ और वे भी नहीं रहीं। घर में मैं अकेली ही लड़की थी, इसके बाद जैसे-तैसे मेरी पढ़ाई हुई। मुझे अपनी पढ़ाई के लिए छोटी सी गुमटी भी चलानी पड़ी। दसवीं तक की पढ़ाई की और उसके बाद मुझे क्रिकेट खेलने का शौक लगा, मैंने क्रिकेट भी खेला। उन्होंने कहा कि मैंने क्रिकेट ज्वाइन किया, लेकिन क्रिकेट किट खरीदने के लिए भी मेरे पास पैसे नहीं थे, तो मैं क्रिकेट छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद मैंने जिम ज्वाइन किया और वहां पर मुझे पावर लिफ्टिंग के बारे में पता चला और फिर पावर लिफ्टिंग में ही में लग गई, जिसमें मैंने स्टेट और नेशनल लेवल तक गोल्ड जीता और इंटरनेशनल के लिए मैंने दिल्ली में जाकर खेला, क्योंकि 2017 में इंटरनेशनल कॉम्पिटीशन दिल्ली में ही हुआ था, जिसमें मैंने गोल्ड जीता।

लोगों ने मजाक ...

चैंपियनशिप के बीच में मेरी लेग इंजुरी भी हो गई थी। जिस वजह से डॉक्टर ने मुझे कंप्लीट बेड रेस्ट के बारे में बोला और फिर भी मैंने हार नहीं मानी और एशिया लेवल पर सिल्वर और वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रांज मेडल जीता और 2025 में इंडिया की मिस बॉडी बिल्डर बनी।

विवेकानंद की ...

लड़कियों को अपने संदेश से प्रेरित करती हैं, बेटी किसी से नहीं है कम, बेटियों से ही मिलेगी देश को दम। नैना की अविश्वसनीय उपलब्धियां एनएसएस मंच के सहयोग से संभव हुईं, जो युवाओं को उनके जुनून को पूरा करने में प्रोत्साहित और समर्थन करता है। उसने कहा मुझे अपने जीवन का वह शुभ दिन याद है जब 1 जून 2021 को मैंने माउंट एवरेस्ट के साथ-साथ माउंट ल्होत्से पर भी सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी।

चार दशक का संघर्ष...

पति अख्तर हुसैन व इंजीनियर पुत्र अफरोज व बेटी आफरीन ने बहुत हौसलाआफजाई की। मेरी हाइट कम थी, सो मैंने स्पीड के रेसिंग पर ध्यान केंद्रित किया। मेरा ड्रीम अब विदेश में कुछ नया करने का है। हीरोइन उर्मिला मातोंडकर, प्रीति झिंगयानी व रजा मुराद सम्मानित कर चुके हैं।

परिवार से मिलती है...

एडवेंचर व रेसिंग की तैयारी कर रही हैं। वे बताती हैं कि पति व बच्चों के संबल से ही यहां तक पहुंची हैं। परिवार प्राउड फील करता है। फिर खतरा तो सब जगह है। जो डर गया वो कुछ नहीं कर सकता है। प्रेक्टिश, संतुलित खानपान, आत्मविश्वास और पति व परिवार से ही ही हौसला व स्टेमिना व सफलता मिलती है। पति व दोनों बच्चे भी स्काई जंपिंग कर चुके हैं। बताती हैं कि मेरे सामने भी चूल्हा चौक था लेकिन इच्छाशक्ति से मंजिल मिली। शौक एडवेंचर है। तेईस में दुबई में मांडलिंग भी की, जिसमें सुपर मांडल रनरअप का खिताब मिला।

स्ट्रांग वूमेन अंजू फिटनेस के...

दस वर्ष का सफर

पावर लिफ्टिंग की शुरूआत उन्होंने लगभग 40 वर्ष आयु वर्ग से की। वहीं लगभग 10 वर्षों से वह पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में लगातार सफलता प्राप्त कर रही है। आज 50 वर्ष आयु पूरी करने के बाद भी अंजू सिंह में वही 10 वर्ष पुराना जोश और उत्साह नजर आता है। उम्र को दरकिनार कर समय के साथ उनका लक्ष्य भी बढ़ रहा है।

नेशनल में जीते गोल्ड- पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में शुरूआती दौर में अंजू सिंह को एक-दो मैच में उतनी सफलता नहीं मिली, लेकिन इसके बाद उन्होंने खुद को तराशा और राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उन्होंने चार गोल्ड मेडल दो सिल्वर मेडल और तीन ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किए हैं।

छत्तीसगढ़ स्ट्रांग वूमेन- पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में अपने बेहतर खेल की बदौलत अंजू सिंह ने छह बार छत्तीसगढ़ स्ट्रांग वूमेन का खिताब अपने नाम किया है। वहीं बीते 18 से 22 जनवरी तक दल्लीराजहरा में आयोजित हुई प्रतियोगिता में उन्हें स्ट्रांग वूमेन ऑफ द इंडिया का टाइटल दिया गया है।

राष्ट्रीय स्पर्धा की तैयारी- पावर लिफ्टर अंजू सिंह वर्तमान में अपने विभागीय कार्यों का दायित्व निभाने के साथ ही आगामी दिनों में कानपुर में आयोजित होने वाले नेशनल पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता और अगस्त माह में आंध्रप्रदेश में आयोजित होने वाले ऑल इंडिया पुलिस मीट की राष्ट्रीय स्पर्धा में हिस्सा लेने अपनी तैयारी कर रही है। अंजू सिंह इन दोनों स्पर्धा में भी अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए मेडल हासिल करने जुटी है।

धरती से लेकर लद्दाख...

समय-सीमा में पूरी करनी होती है दौड़ पचास किलोमीटर की प्रोकैम स्लैम भारत में सबसे प्रतिष्ठित रनिंग चैलेंज में से एक है। इस खिताब को जीतने के लिए धावक को एक ही सीजन में क्वालीफाई समय-सीमा के भीतर सभी चार प्रमुख प्रोकैम दौड़ पूरी करनी होती है। दुर्ग जिले में कार्यरत- प्रियंका श्रीरंगे ने 2005 में लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण की और तब से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों रायपुर, धमतरी, दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव में अपनी सेवाएं दी है। वर्तमान में वह दुर्ग जिले की जिला पंजीयक के रूप में कार्यरत है।

दूर हो गई परेशानियां- प्रियंका श्रीरंगे का कहना है कि उनके जुनून में उनके परिवार ने उनका काफी साथ दिया है। वह बताती है कि कभी उनके पैरों में दर्द रहा करती थी, लेकिन जब से उन्होंने रनिंग करना शुरू किया है, तब से शारीरिक परेशानियां दूर हो गई है। फुल मैराथन में भी दिखाया दम- उन्होंने वर्ष 2023 अपोलो दिल्ली फुल मैराथन, 2024 में टाटा मुंबई फुल मैराथन, 2025 में टाटा मुंबई फुल मैराथन को पूरा किया। पचास किमी अल्ट्रा मैराथन- अपने हौसले और जुनून से प्रियंका श्रीरंगे ने एक धावक होते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिसमें उन्होंने हाल ही में लोनावला में अयोजित टाटा अल्ट्रा मैराथन में 50 किलोमीटर का सफर तय किया है। एक्सेप्ट एवरी चैलेंज- प्रियंका श्रीरंगे ने महिला दिवस पर महिलाओं को संदेश के रूप में कहा है कि आपका जुनून में उम्र कभी बाधा नहीं बनती है। किसी भी कार्य का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा है कि एक्सेप्ट एवरी चैलेंज जस्ट डू इट।

रायपुर की दौड़ से...

ऊंचाई पर दौड़ी। वहीं एयरटेल हैदराबाद हाफ मैराथन, वर्ष 2023 में टाटा मुंबई हाफ मैराथन, 2024 में वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा लिया।

सेन्ट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाईन इन्स्टीच्यूट लिमिटेड
CENTRAL MINE PLANNING & DESIGN INSTITUTE LIMITED
(कोल इण्डिया की एक अनुषंगी ईकाई)
गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची–834008, झारखंड, भारत

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in/** संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीएमपीडीआई, **www.cmpdi.co.in**), सीआईएल ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** एवं सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
एनएमडीसी आयरन एंड स्टील प्लांट
पोस्ट–नगरनार (बस्तर) छ.ग. पिन–494001
(CIN) – L27310CT2015GOI001618

अनुबंध विभाग

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है जो छत्तीसगढ़ राज्य के जगदलपुर के पास नगरनार में 3.0 एमटीपीए एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए नीचे दी गई प्रारंभ और समाप्ति तिथि के साथ निम्नलिखित निविदा पूछताछ के लिए अनुभवी घरेलू बोलीकर्ताओ से ऑफलाइन बोलियां आमंत्रित करती है। **कार्य का नाम: एनएसएल में सेंट्रल स्टोर्स और विविध कार्य का मॉडिफिकेशन। निविदा सं. एवं तारीख : एनएसएल/(संविदा)/सीओएन/581/सीपीएस मॉडिफिकेशन/2025/556 दिनांक: 08.03.2025 निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख:** 07.04.2025 विस्तृत एनआईटी एवं बोली कागजात एनएमडीसी वेबसाइट– http://www.nmdc.co.in, तथा केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल (सीपीपी पोर्टल)– http://www.eprocure.gov.in/epublish/app पर अवलोकन तथा/अथवा डाउनलोड किए जा सकते हैं। शुद्धिपत्र, भविष्य में यदि कोई हो, के लिए बोलीकर्ताओं को नियमित आधार पर एनएमडीसी वेबसाइट/सीपीपी पोर्टल वेबसाइट देखना अपेक्षित है। अतिरिक्त स्पष्टीकरण के लिए विभागाध्यक्ष (संविदा) ई–मेल: csn@nmdc.co.in; mundenayan@nmdc.co.in पर संपर्क कर सकते हैं।

विभागाध्यक्ष (संविदा) एनएमडीसी स्टील लिमिटेड

Govt. of Bihar

Bihar Forestry Development Corporation Limited, Patna.
K/6, Officers Flat, New Punaichak, Patna-800023.
Email ID-dmbfdcpatna@gmail.com.
SHORT NOTICE INVITING E-AUCTION
(Through e-procurement mode only over (https://eproc2.bihar.gov.in)
Tender Notice No.06/BFDCL/e-Proc/2025-26

E-Tendering/E-Procurement is being introduced from last few years in 'Bihar Forestry Development Corporation Limited' for making the tendering/process of Kendu Leaves lots sale of 2025 collection season more efficient and transparent.

Agencies/contractors interested in the advance purchase of Kendu leaves lots of 2025Kendu leaves collection season from 'Bihar Forestry Development Corporation Limited' are required to get themselves registered with Bihar Govt. centralized E-Procurement portal https://eproc2.bihar.gov.in/

Tender Schedule/Programme:

Sl. No.	Information	Details
1	Name of the Organization	**'Bihar Forestry Development Corporation Limited' Patna.**
2	Name of the Assignment	Selection of Contractors for operation of Kendu Leaves Lots-23Advance Sale.
3	Tender Processing Fee/Cost(Non-Refundable)	INR 590/3540/5900(Including of GST) payable online through e-payment mode i.e. NEFT/RTGS/Credit/ Debit Card on **(https://eproc2.bihar.gov.in)** Up to 70 Lacs-INR 590.00, As per **eproc2.**
4	Tender Fee/Cost(Non-Refundable)	**Rs. 10,000.00**(inclusive of GST @18%) to be paid through (RTGS/NEFT) In DivisinolManager, Bihar Forestry Development Corporation Ltd, Patna Divison, Patna के इंडियन बैंक(इलाहाबाद बैंक), पाटलिपुत्र, कोलनी, पटना के Account no-50452834949,IFSC Code No–IDIB000P613.
5	Date of issue of NIT	06-03-2025
6	Date of uploading of tender document	12-03-2025
7	Date of Submission of Technical bid& Financial Bid.	13-03-2025 to 20-03-2025 (Time-10:00PM)
8	Date and Time of Opening of Technical Bid.	21-03-2025(Time-11:00AM)
9	Date and Time of Opening of Financial Bid.	24-03-2025 (Time-11:00AM)
10	Uploading of names of successful bidders for Participating in E-Auction	26-03-2025
11	Incremental Value will be	**I. Upto 05 Lacs of Base Price incremental Value will be 2%** **II. Above 05 Lacs of Base Price incremental Value will be 1%**
12	Date and Time of E-Auction	27-03-2025 to 28-03-2025
13	Up Loading of Final Result	29-03-2025
14	Contact person for queries	Administrative Officer Bihar Forestry Development Corporation Limited Patna.Email ID-dmbfdcpatna@gmail.com.
15	Addressee and address at which Hard Copy of proposal in response to RFP notice is to be submitted.	Administrative Officer Bihar Forestry Development Corporation Limited Patna.Email ID-dmbfdcpatna@gmail.com.

- Detailed descriptions of the item and instructions for submitting the offer can be downloaded from e-auction/tender website(https://eproc2.bihar.gov.in/).
- For support related to e-tendering process, bidders may contact at following address "e-Procurement HELP DESK - **eProc 2.0 Help Desk Address: mjunction services limited RJ Complex, 2nd Floor, Canara Bank Campus, Khajpura, Ashiana Road, P.S. - Shastri Nagar, Patna 800 014, Bihar, (Toll Free Number: 1800 572 6571. Email Id: eproc2support@bihar.gov.in Working Hours: 8AM to 7PM (All days in week except few selected state holidays)** or may visit the link "Vendor Info" at (https://eproc2.bihar.gov.in/).
- Contact office of 'Bihar Forestry Development Corporation Limited' Patna-23. for Registration/Renewal visit and other information (Divisional Manager Mobile no.-8986153282) Suresh Kumar Deo, Asstt. 7979079152.**Corrigendum/ Addendum,** if any, will be published on the departmental website e-Procurement, Bihar https://eproc2.bihar.gov.in/itself.

This information is available on **www.state.bihar.gov.in/prdbihar also**

PR. No. 21184 (B & C) 2024-25

Managing Director
Bihar Forestry Development Corporation Limited

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 1. श्री नंद कुमार भारते 2. सीमा दोनो पिता श्री मालिकराम भारते निवासी सकरी तहसील सकरी जिला बिलासपुर के नाम से ग्राम सकरी प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. सकरी तहसील सकरी जिला बिलासपुर में खसरा क्रमांक 118/1, 118/2, 120/2, 120/3, 357/2, 357/3 रकबा कुल 1.76 एकड़ स्थित है। उक्त भूमि को पक्षकार श्री 1. सोनू माली पिता संतु माली बिलासपुर 2. चन्द्रकला दुबे पति आशोक कुमार दुबे निवासी सरकण्डा तहसील बिलासपुर जिला बिलासपुर द्वारा क्रय करने का पक्का सौदा करते हुए अग्रिम राशि बयाना बतौर प्रदान करते हुए अनुबंध पत्र निष्पादित करवाये है। यदि उक्त संव्यवहार से किसी भी व्यक्ति, संस्था व अन्य जो उक्त भूमि पर अपना हित रखता हो, को यदि किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति होगी तब मय दस्तावेज के साथ सूचना प्रकाशन के 07 दिन के अंदर मेरे नीचे लिखे पते पर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात की गई आपत्ति पर कोई विचार नहीं की जावेगी तथा मेरे पक्षकार उक्त भूमि के पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होंगे। अस्तु सूचना जानें।
दिनांक 8/3/2025

राममनोहर दुबे (अधिवक्ता/नोटरी)
स्टेट बैंक के सामने, सरकंडा बिलासपुर मो. 9827173623
क्रेता- 9301463904

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे द्वारा (1) एजाज अहमद बक्स पिता स्व. मंसूर अहमद बक्स (2) मोहम्मद साहिक बक्स पिता लाहुन बिलासपुर से इनके हक एवं कब्जे की भूमि जिसके मूल भूस्वामी महमूद बक्स पिता कदार बक्स, नवी बक्स पिता कदार बक्स, करीम बक्स पिता अली बक्स, अहम बक्स पिता रहीम बक्स, कलीम बक्स पिता रहीम बक्स, सलीम बक्स पिता रहीम बक्स, सोफिया बेगम बेवा सोफिया रहीम बक्स थे जिनका स्वर्गवास हो चुका है तथा उक्त संपत्ति का फौती नामांतरण वर्तमान में एजाज अहमद बक्स एवं मोहम्मद साहिक बक्स के नाम पर फौती नामांतरण होना है अतः उक्त ज़मीन एजाज अहमद बक्स एवं मोहम्मद साहिक बक्स से खरीदने का पक्का सौदा कर बयाना राशि दी जा चुकी है इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था, शासकीय/अर्धशासकीय कार्यालय या अन्य किसी को यदि किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिनों के अंदर समस्त कागजात सहित मेरे यहां उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति प्रकट कर सकता है तथा उसके बाद की गई किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी सो सूचना जानें।

भवदीय- (1) पुरुषोत्तम जुरियानी
पिता स्व. मूलचंद जुरियानी
निवासी सरकंडा जबड़ापारा बिलासपुर
मो. 9827938236, 8770963388
(2) भावेश दुबे पिता श्री महेश दुबे
निवासी वार्ड नम्बर 22/30
गोड़पारा बिलासपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे द्वारा श्रीमती वंदना सिंह पति श्री सत्यव्रत सिंह निवासी कृष्ण रेसीडेंसी मुंगेली रोड बिलासपुर से इनके नाम पर मौजा उस्लापुर प.ह.नं. 60, रा.नि.मं. सकरी, तहसील सकरी विकास खंड तखतपुर जिला बिलासपुर के अलका एवेन्यू में स्थित लेआउट भूखण्ड क्रमांक सी-83 परिवर्तित भूमि खसरा नम्बर 67/23 में से स्तर क्रमांक 7 भूखंड क्रमांक 1/16 में से रकबा 2604 वर्गफुट भूमि खरीदने का पक्का सौदा कर बयाना राशि दी जा चुकी है इस बाबत यदि किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था, शासकीय/अर्धशासकीय कार्यालय या अन्य किसी को यदि किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिनों के अंदर समस्त कागजात सहित मेरे यहां उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति प्रकट कर सकता है तथा उसके बाद की गई किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति अमान्य होगी एवं भूमि का पंजीयन कराने हेतु मैं स्वतंत्र रहूँगा सो सूचना जाने।

भवदीय- प्रज्जवल सिंह
पिता श्री संतोष सिंह
निवासी कोन्हेर गार्डन के पास
तिलक नगर बिलासपुर
मो. 9752647707, 9109068420

न्यायालय नजूल अधिकारी बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-6/2024-25
पक्षकार श्रीमती चंदा संतवानी पति स्व. हीरानंद संतवानी वगैरह .....आवेदिकागण
बनाम
छ.ग. ....अनावेदक

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिकागण श्रीमती चंदा संतवानी पति स्व. हीरानंद संतवानी वगैरह निवासी मसानगंज तहसील व जिला बिलासपुर ने अधिवक्ता के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर नगर पालिक निगम बिलासपुर के मोहल्ला मसानगंज नजूल शीट नं. 29 प्लाट नं. 24/46, 24/48 रकबा 720 व.फु. भूमि स्थित है। आवेदित भूमि वर्तमान नजूल अभिलेख में आवेदिकागण के पति/पिता हीरानंद संतवानी के नाम पर दर्ज है। जिनकी मृत्यु दिनांक 10.10.2024 को हो चुकी है। आवेदिकागण के द्वारा आवेदित भूमि को फौती के आधार पर नामांतरण करने के लिए छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109,110 के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे दिनांक 19/3/2025 को न्यायालयीन समय में स्वतः उपस्थित होकर अथवा अपने विधि मान्य प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। उक्त तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति / दावा विचारणीय नहीं होगा।

आज दिनांक 28/2/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार सकरी, तहसील सकरी जिला बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र.. ../ब-121/2023-24
ग्राम कुरेली तहसील सकरी, बिलासपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोतीदास पिता विश्रामदास निवासी कुरेली तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग के द्वारा अपने माता सीताबाई पिता विश्राम दास की जन्म/मृत्यु दिनॉक 26/06/2020 को ग्राम कुरेली में होने के कारण जन्म / मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 13(3)/9(3) के तहत जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इस ईश्तहार के माध्यम से दावा/आपत्ति आमंत्रित किया जाता है।

अतः उक्त आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 10/03/25 के पूर्व अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनॉक 03/03/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा द्वारा ईश्तहार जारी किया गया।

कार्यपालिका दण्डाधिकारी, सकरी

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल सिरगिट्टी तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)

सूचना

क्र. .सीमांकन/ जाँच (रा. नि. 2024
दिनांक 7.3.2025
न्याय. ना. तह. दीपक परमार
आवेदक के बताए अनुसार समीपस्थ भूमि स्वामी
1. कमला रजक 2. भगवान बंजारे
3. 4. मेहजबीन खातून
5. 6. अन्य सर्व सम्बंधित
विषय : सीमांकन में उपस्थिति बाबत
सन्दर्भ न्यायालय तहसीलदार/अति तहसीलदार/ ना. तहसीलदार बिलासपुर के ज्ञापन क्र आ. दि. 5.3.2025

आवेदक दीपक परमार पि./प. लखधीर परमार निवासी बिलासपुर के द्वारा ग्राम तिफरा प.ह.नं. 40 रा.नि. मंडल सिरगिट्टी तह व जिला बिलासपुर स्थिति भूमि खसरा नं. 876/2 रकबा 0.214 ए./ हे. के सीमांकन / जाँच हेतु आवेदन न्याय तहसीलदार / अति तहसीलदार / ना तहसीलदार के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। संदर्भित न्यायलयीन आदेश के परिपालन में आवेदित भूमि का सीमांकन /जाँच दि. 10.3.2025 को समय 10 से 5 बजे किया जायेगा।

आप भूमि से सम्बंधित दस्तावेज के साथ निर्धारित तिथि एवं समय को मौके पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। अनुपस्थित के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे एवं बाद की आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायगा।

टीप:- अपरिहार्य कारणों से सीमांकन की तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. सिरगिट्टी
तहसील व जिला बिलासपुर

40 लाख की ईनामी 7 महिला समेत 11 माओवादियों ने किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज >>| जगदलपुर

नारायणपुर जिले के माड़ डिवीजन में सक्रिय 40 लाख के ईनामी 7 महिला समेत 11 माओवादी समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। सभी ने नारायणपुर एसपी के अलावा आईटीबीपी व बीएसएफ के अधिकारियों की मौजूदगी में शुक्रवार को समर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि 25-25 हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया वहीं उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाली अन्य सुविधाएं दी जाएगी। माड़ बचाओ अभियान से प्रभावित होकर और नक्सल संगठन की क्रूर विचारधारा से तंग आकर सभी ने बिना हथियार पुलिस के समक्ष सरेंडर किया है। सक्रिय नक्सलियों के आत्मसमर्पण से क्षेत्र में नक्सल मुक्त माड़ की सपना हो रहा है। जिले में वर्ष 2024-2025 में अब तक कुल 92 माओवादी समर्पण कर चुके है। समर्पण के दौरान एसपी नारायणपुर प्रभात कुमार के अलावा मोहम्मद ओबैदुल्लाह खान टूआईसी 41 वीं बटालियन आईटीबीपी, संजीव कुमार 135 वी बटालियन बीएसएफ, एएसपी रोबिनसन गुड़िया, सुशील कुमार नायक, ऐश्वर्य चन्द्राकर, जितेन्द्र कुमार खंतवाल उप सेनानी 41 वीं बटालियन आईटीबीपी, अनिल चव्हाण सहायक सेनानी 41वीं बटालियन आईटीबीपी, डीएसपी प्रशांत देवांगन, आशीष नेताम, कुलदीप बंजारे, अविनाश कंवर, अमृता पैकरा व अन्य अधिकारी मौजूद थे। समर्पित नक्सलियों में माड़ डिवीजन में सक्रिय 8 लाख के ईनामी सीवॉयपीसी कम्पनी नम्बर 6 व डीव्हीसीएम कमाण्डर सन्नू उर्फ मंगेश व डीव्हीसीएम कुतुल एरिया कमेटी सन्तु उर्फ वड़दू वड़दा के अलावा 5 लाख की ईनामी पीपीसीएम माड़ डिवीजन कम्पनी 1 की सेक्सन कमाण्डर जनिला उर्फ जलको कोर्राम, 3-3 लाख के ईनामी सुक्की मण्डावी, शांति कोवाची, मासे उर्फ क्रांति वड़दा, सरिता उसेण्डी 2-2 लाख के ईनामी मंगती, देवाराम उर्फ कारू, रतन उर्फ मुकेश पुनेम तथा 1 लाख की ईनामी कला उर्फ सुखमती उर्फ कोटली शामिल है।

न्यायालय तहसीलदार रतनपुर जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202501072100005/
अ-21/ 2024-25
ग्राम मेलनाडीह प.ह.नं. 13

एतत द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम मेलनाडीह प.ह.नं. 13 रा.नि.मं. चपोरा तहसील रतनपुर जिला बिलासपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती संगम पिता बहादुर सिंह निवासी बाजपेयी टॉवर ईदगाह चौक के पास, तहसील व जिला बिलासपुर के द्वारा अपने स्वामित्व एंव आधिपत्य की ग्राम मेलनाडीह प.ह.न. 13 तहसील रतनपुर स्थित भूमि ख.न. 78 शा. 79, 81, 80 कुल ख.न. 02 रकबा क्रमश: 0.065, 0.51ए. कुल रकबा 1.16 ए. मे से 50530 वर्गफिट भूमि को बैंक ऋण चुकाने तथा पुत्रियो की पढाई हेतु पैसो की आवश्यकता होने के कारण गैर आदिवासी क्रेता डा. पल्लवी गिरी पति डॉ. श्रीकांत गिरी निवासी शिशुभवन ईदगाह रोड, मध्यनगरी चौक बिलासपुर के पास राशि 82,07,050-00 / में विक्रय करने का सौदा किया है जिसमें से 10,00,000/- प्राप्त कर चुकी है, आवेदित भूमि मेसे उक्त रकबा को गैर आदिवासी के पास विक्रय की अनुमति हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 165 (6) के अंतर्गत आवेदक पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो वह मेरे न्यायालय में दिनांक 20.03.2025 को 10:30 बजे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है बाद में प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा

आज दिनांक 06.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
रतनपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रतनपुर जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202501072100006/
अ-21/ 2024-25
ग्राम रतनपुर प.ह.नं. 12

एतत द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम रतनपुर प.ह.नं. 12 रा.नि.मं. रतनपुर तहसील रतनपुर जिला बिलासपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती संगम पिता बहादुर सिंह निवासी बाजपेयी टॉवर ईदगाह चौक के पास, तहसील व जिला बिलासपुर के द्वारा अपने स्वामित्व एंव आधिपत्य की ग्राम रतनपुर प.ह.न. 12 तहसील रतनपुर स्थित परिवर्तित भूमि ख.न.1414, 1453/2, 1454, 1455 रकबा क्रमशः 1.21, 0.53, 0.60, 0.55 ए. कुल रकबा 2.89 ए. भूमि को बैंक ऋण चुकाने तथा पुत्रियो की पढाई हेतु पैसो की आवश्यकता होने के कारण गैर आदिवासी क्रेता डा. पल्लवी गिरी पति डॉ. श्रीकांत गिरी निवासी शिशुभवन ईदगाह रोड, मध्यनगरी चौक बिलासपुर के पास राशि 7,22,500-00 / में विक्रय करने का सौदा किया है जिसमें से 5,00,000/- प्राप्त कर चुकी है, आवेदित भूमि मेसे उक्त रकबा को गैर आदिवासी के पास विक्रय की अनुमति हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 165 (6) के अंतर्गत आवेदक पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो वह मेरे न्यायालय में दिनांक 20.03.2025 को 10:30 बजे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है बाद में प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 06.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
रतनपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

आम सूचना

सर्व साधारण को निम्न आशय की आम सूचना प्रकाशन करता हूं, कि मेरे पक्षकार सुखदेव यादव, अजय यादव पिता उनीराम यादव निवासी वार्ड क्र. 49, बी.आर.यादव नगर, बहतराई बिलासपुर (छ.ग.) का निवासी है, जो ग्राम भाड़ी प.ह.नं. 13, रा.नि.मं. नगोई, तह. बेलतरा जिला बिलासपुर (छ.ग.) स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 304/3 रकबा 0.1130 हेक्टेयर ख.नं. 805/1क रकबा 0.1540 हेक्टेयर ख.नं. 805/1ख रकबा 0.1500 हेक्टेयर ख.न. 805/2 रकबा 0.8020 हेक्टेयर ख. नं. 806 रकबा 0.1050 हेक्टेयर ख.नं. 810/2 रकबा 0.3080 हेक्टेयर ख.नं. 811 रकबा 0.1380 हेक्टेयर ख.नं. 824 रकबा 0.0570 हेक्टेयर ख.नं. 825 रकबा 0.0610, ख.नं. 826 रकबा 0.0850 हेक्टेयर जो वर्तमान राजस्व रिकार्ड में संतोश पिता शिवदयाल कश्यप निवासी भाड़ी तह. बेलतरा जिला बिलासपुर छ.ग. के नाम पर दर्ज है। जिसे क्रय करने का पक्का सौदा कर विक्रेतागण को बयाना राशि प्रदान किया गया है, अतिशीघ्र रजिस्ट्री होना हैं। उक्त क्रय-विक्रय से किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक या किसी अन्य व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर अपना लिखित आपत्ति दस्तावेज के साथ दर्ज करा सकते है। अन्यथा बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जानें
दिनांक 07/03/2025
बिलासपुर (छ.ग.)

भवदीय
कलेश्वर साहू
(जिला अधिवक्ता) बिलासपुर (छ.ग.)
मों- 9329265667

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं छेदीलाल पटेल पिता स्व. रघु पटेल निवासी मरार गली, तालापारा का हूं। यह कि ग्राम तालापारा पहन 39 अंतर्गत खसरा नं. 204/1 एवं 205/3 सम्मिलित खसरा 210/1 व 206/2 रकबा 0.0450 (0.11 एकड़) व 0.0370 हे (0.09 एकड़) भूमि मेरे नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज चली आ रही थी। दिनांक 24/01/2022 को मेरी भूमि का सिमांकन किया गया जिसमें से खसरा नं. 204/1 में से 1242 वर्गफीट एवं 205/3 में से 576 वर्गफीट कुल रकबा लगभग 1818 वर्गफीट मेरे पड़ोसी जयदेव पटेल व परिवार की भूमि खसरा नं. 199/2 एवं 206/1 की तरफ होना मिला। तालापारा निवासी फारूख अहमद उर्फ गुड्डा के द्वारा इस सिमांकित जमीन को बिक्री करवाकर मुझे रूपये देने हेतु एक अनुबंध किया गया। लेकिन फारूख अहमद द्वारा मुझे धोखे में रखकर आम मुख्तियारनामा बनवा लिया गया एवं रकबा 445 वर्गफीट भूमि को स्वयं से रजिस्ट्री करा लिया गया। जिसकी रकम मुझे नही दी गई। इसकी जानकारी होने पर मैने आम मुख्तयारनामा दिनांक 05/07/2022 एवं 05/09/2022 रद्द करवा दिया एवं अनुबंध समाप्त कर दिया गया। उपरोक्त सिमांकन से प्राप्त शेष बची भूमि 1373 वर्गफीट में से 192 वर्गफीट को मेरे द्वारा मोहम्मद सलीम शेख को स्वयं बिक्री किया गया एवं जयदेव पटेल की बहन सविता नागदौने को रकबा 240 वर्गफीट को बिक्री किया गया शेष बची भूमि 941 वर्गफीट को सविता नागदौने एवं हरीश नागदौने को अपने पुत्र देवचरण पटेल की उपस्थिति में कुल रकम 5,00,000/- पाँच लाख रूपये मात्र प्राप्त कर पूरा कब्जा दे दिया। पूर्व में सविता नागदौने को रास्ता हेतु इस रकबे में से 540 वर्गफीट भूमि मेरे द्वारा बिक्री की गई थी। सविता नागदौने एवं हरीश नागदौने मुझसे प्राप्त भूमि रकबा 1721 वर्गफीट को जैसा चाहे उपयोग करें। फारूख अहमद उर्फ गुड्डा का सविता नागदौने, हरीश नागदौने को बिक्री की गई अथवा कब्जा दी गई भूमि पर कोई अधिकार नही है। अगर कोई व्यक्ति अथवा संस्था फारूख अहमद से उपरोक्त वर्णित भूमि ख. रू. 204/1 एवं 205/3 (सम्मिलित खसरा 210/1 व 206/2) का किसी प्रकार लेनदेन करता है तो वह अवैध होगा और इसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होंगे।

सूचनाकर्ता- छेदीलाल पटेल
मरारगली, मगरपारा बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 9977065581

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम ®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देंखे ....
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- महिलाओं के लिए खास बीमा सखी बनने का अवसर। मानदेय 7000 रुपए प्रतिमाह सम्पर्क करें- स्मिता तिवारी दुबे 88391 85098 **(37057)**

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेंसी में सुपरवाइजर, प्यून, ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, फ्लैक्स माउंटिंग हेतु लड़के, एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- C-15 ग्राउंड फ्लोर नारायण प्लाजा, बिलासपुर 87701 68534, 9752390684 **(37058)**

आवश्यकता है- स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु पार्ट टाइम लड़के/ लड़की की आवश्यकता है। अनुभवी सम्पर्क करे- भाटिया इंटरप्राइजेज, पेट्रोल पम्प के बाजू में, नेहरू चौक, बिलासपुर 7587259295 **(37055)**

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग, ऑफिस कार्य हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़कियां, महिलाएं चाहिए सैलरी 5000+ कमीशन+ वीकली+ बोनस काम सीखने के बाद 20000 से 30000 पता- सरजू बगीचा रोड तेलीपारा, बिलासपुर 9343425005, 74898 24791 **(37054)**

आवश्यकता है- तिफरा इंडस्ट्रीयल एरिया में स्थित फ्रिज, टीवी के थोक व्यवसाय के गोदाम में काम करने हेतु एक सुपरवाइजर एवं हमाली कार्य करने वाले हमाल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7898204420 **(37053)**

आवश्यकता है- लॉज के लेट्रीन बाथरुम सफाई पार्ट टाइम हेतु जरूरतमंद सफाई कर्मचारी चाहिए सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज अमरनाथ जड़ी बूटी दुकान के बाजू वाली में अंदर गोल बाजार बिलासपुर 9827940898, 94063 90898 **(37052)**

आवश्यकता है- गिरीश ट्रेडर्स दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है पता- नरेश बाजार के बगल में तेलीपारा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9300111207 **(37030)**

आवश्यकता है- OMI कम्पनी में लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000+ रहना खाना सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, बिलासपुर 88188 77406, 9644433021 **(37031)**

आवश्यकता है- घर की साफ सफाई हेतु महिला/ पुरुष की आवश्यकता है समय- सुबह 9 से शाम 5बजे, वेतन 250/- रोजी सम्पर्क करें- रामा वर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़, रायपुर रोड, बिलासपुर, 9340600776 **(37059)**

आवश्यकता है- इनोवा ऑटोमैटिक कार चलाने के लिए एक ड्राइवर की आवश्यकता है। गाड़ी अनिवार्य। अनुभव 3 से 5वर्ष। सम्पर्क करें:- नर्मदा नगर, बिलासपुर 9131312593 **(37046)**

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़के और लड़कियां,कार्य-पिकर, चेकर,लोकल डिलीवरी,पैकर, की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर **(37050)**

Wanted- Bilaspur based road construction company requires Qualified Senior Civil Engineer (Exp 7-10 years in Road & structure). Contact - 9174470000 Email- resume.anandi@gmail.com **(37044)**

आवश्यकता है- ऑफिस मैनेजमेंट के लिए लड़की (सुशिक्षित एवं कंप्यूटर अनुभवी) की आवश्यकता है संपर्क करें - श्री बालाजी कंस्ट्रक्शनस होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर मो 7974086925 **(37051)**

आवश्यकता है- फिनाईल फैक्ट्री में कार्य करने हेतु लड़कों आवश्यकता है रहने की सुविधा एवं अन्य सुविधा संपर्क करें डे कैमिकल इण्डस्ट्रीज बिलासपुर मो. 8319781220, 98930 13099 **(37027)**

आवश्यकता है- बिलासपुर के प्रतिष्ठित अस्पताल एवं औद्योगिक संस्थानों हेतु भारी मात्रा में सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है अपने मूल दस्तावेजों सहित सम्पर्क करें- F3, अम्बे प्लाजा, फर्स्ट फ्लोर, PNB बैंक के ऊपर हाईटेक बस स्टैण्ड के सामने तिफरा बिलासपुर 89627 97916, 9981614171 **(37034)**

आवश्यकता है- जिम और होटल में रिसेप्शनिस्ट ,बिलिंग झाड़ू, पोंछा, बर्तन धोने हेतु लड़कों /लड़कियों की वेतन 7000 से 10000/- सम्पर्क - बॉडी लाइन फिटनेस जिम, मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 7987619998, 95847 00660, 9907900881 **(37049)**

आवश्यकता है- विद्यालय में कार्य करने हेतु टीचर्स ,ड्राइवर,गार्ड, एवं मार्केटिंग हेतु फ्रेशर लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। मिलने का समय सुबह 9 से 2 बजे। संपर्क करें:-संस्कार स्कूल बाज़ार के सामने , उसलापुर 74405-49466, 70007-37657 **(37039)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल निकालने/ जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता (वेतन योग्यतानुसार) संपर्क करेः- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा **(3350)**

आवश्यकता है- मॅट्रिमोनी में कार्य हेतु 18 से 30 वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है, सैलरी- 5000 से 20000 कमाने का अवसर, संपर्क करें:- पत्रकार कॉलोनी आर.बी हॉस्पिटल के पास 6268331784, 7987392821 **(3353)**

आवश्यकता है- शादी भवन में हाऊस कीपिंग एवं साफ-सफाई हेतु आवश्यकता हैं परिवार वाले को प्राथमिकता (रहने की सुविधा फ्री) संपर्क- हरि-अमृत मैरिज रिसोर्ट सीपत मेनरोड मोपका बिलासपुर मो- 98271-14005 मिलनें का समय- सुबह 9:30 से 2 एवं शाम 4 से 6**(37035)**

आवश्यकता है- थोक दवा एजेन्सी में पैकिंग, साफ सफाई, रखरखाव, बिक्री माल निकालने हेतु महिला/ पुरूष कार्यकर्ता की आवश्यकता है संपर्क करें यूनिवर्सल ट्रेडर्स, मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर **(37047)**

आवश्यकता है- दवाई दुकान हेतु कम्प्यूटर में दक्ष कर्मचारी (फार्मासिस्ट को प्राथमिकता) दी जाएगी सेलरी योग्यतानुसार संपर्क-दुर्गा मेडिकल स्टोर जय अम्बे नेत्रालय रिंगरोड नं. 2 बिलासपुर 9407728300, 8085521180 मिले सुबह 9-10 बजे **(37045)**

आवश्यकता है- ऑफिस में 10 से 5.30 काम करने हेतु महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 28 वर्ष सैलरी योग्यतानुसार संपर्क करें:- श्री राम केयर हॉस्पिटल के पास बिलासपुर 9201056733 **(3352)**

आवश्यकता है- मंत्रा इलेक्ट्रीक ऑटो शोरूम में निम्न पदों की आवश्यकता है सेल्समैन- 5, मैकेनिक- 5, ड्राइवर- 2, हेल्पर- 5 सम्पर्क करें- 9039140362, 73891 45700, 7898869370, 9303555032 **(37038)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में बिजली रिपेरिंग एण्ड फिटिंग साईड में कार्य हेतु लड़के एवं कम्प्युटर वर्क के लिये लड़की एवं लड़के की आवश्यकता है अरूण इलेक्ट्रीकल्स चंद्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार रोड मो. 7869102080 **(37043)**

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड हाऊस कीपिंग की तत्काल भर्ती बिलासपुर, पुराना बस स्टैण्ड, कोनी, तिफरा, व्यापार विहार बिल्हा मोड़, हेतु वेतन 9000 से 12000, आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- 9993336942, 9589316942 **(37037)**

आवश्यकता है- सीमेन्ट की मार्केटिंग करने हेतु अनुभवी सेल्समैन की जो 3वर्ष का अनुभव हों को प्राथमिकता आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क ममता ट्रेडर्स मौपका बिलासपुर मो.- 9993443207. 93003 07926 **(37042)**

आवश्यकता है- होलसेल सर्जिकल शॉप में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, वर्कर, ड्राइवर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- श्री साईं गुरु सर्जिको बिलासपुर 07752-403024, 9827165932 **(37033)**

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन ऑफिस काम करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रगति कंस्ट्रक्शन सीता देवी पेट्रोल पम्प के सामने शिवम अस्पताल के पास, सीपत रोड मोपका बिलासपुर 9827979016, 95227 69593, 7225906399 **(37029)**

आवश्यकता है-फैक्ट्री होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड, लेडीगार्ड, मार्केटिंग अधिकारी योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर गार्ड ऊंचाई 5'7" वेतन 12000 से 15000 सम्पर्क-Alert SGS Private Limited, 434, चतुर्थ तल, प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर 77460 00016, 8720005500 **(3160)**

आवश्यकता है- बॉयज हॉस्टल में झाड़ू पोछा टॉयलेट क्लीनिंग कार क्लीनिंग के लिए मेहनती आदमी की आवश्यकता है रहने की सुविधा 9 से 5 तक ड्यूटी वेतन 9000/- से योग्यता अनुसार दयालबंद बिलासपुर 98279 21223, 9827959907 **(3349)**

आवश्यकता है- अंजनी बिल्डकॉन में ऑफिस, मार्केटिंग व सुपरवाइजर कार्य हेतु लड़के/ लड़कियां, टैली कॉलर हेतु लड़कियां/ महिला की आवश्यकता है, संपर्कः- निखिल टॉवर शॉप न. 27 सीपत मेन रोड मोपका 6261962696, 98272 09827 **(3347)**

आवश्यकता है- नौकरी ही नौकरी तहसील स्तरीय भर्ती पद संख्या 975 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली सिपाही ड्राइवर वेतन 27500+52400 तक आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्कशीट पैन कार्ड व्हाट्सएप करे 7460994309 **(716)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष की लड़कियां एवं महिलाएं चाहिए सैलरी 5000+ कमीशन, समय 10 से 5:30 संपर्क करें:- अमेरी चौक 62649 79081 **(3358)**

आवश्यकता है- स्पा एण्ड सेलून में काम करने के लिए तोरवा और व्यापार विहार में महिला टेलीकॉलर, महिला थैरेपिस्ट एवं महिला हाउस कीपिंग की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें 6399166000 **(37041)**

आवश्यकता है-बम्पर भर्ती OMMI मल्टीनेशनल कम्पनी को 140 से अधिक लड़के, लड़कियां की आवश्यकता है आय 10500 से 18500 प्रतिमाह आवास, खाना फ्री परमानेन्ट जॉब पता- दीपसागर कालोनी बिलासपुर 80034 02269, 9519393913 **(36922)**

आवश्यकता है-नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 7439736348 **(704)**

Wanted- Hiring a Business Development Officer (Manager /Deputy Manager) Key Responsibilities: *Identify new business opportunities and drive growth *Develop strategies to increase revenue *Collaborate with teams on proposals and solutions Requirements: Degree in Business /Marketing or related field Proven 5+ Years of sales experience and strong communication skills Why Join us- Competitive salary & incentives and other benefits Opportunity for career growth Location - Korba, Champa, Raigarh, Manendragarh Mo. 7970010958 **(3351)**

आवश्यकता है-होलसेल खिलोना दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़को की आवश्यकता है जिसे खिलोना दुकान मे काम करने, कार्टून पैकिंग का अनुभव हो सम्पर्क करें-तेलीपारा बिलासपुर 7711006641, 9753330000 **(36813)**

बेचना है

बेचना है- मोपका से 10 किलो मीटर आगे सीपत में मेन हाइवे में 1000, 2000, 3000 वर्गफीट के शानदार प्लॉट बेचना है बैंक, ढाबा या शॉप के लिए उपयुक्त सम्पर्क करें- 6399166000 **(37056)**

बेचना है-हर्ष- फिनिक्ससिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 **(36177)**

बेचना है-उसलापुर स्टेशन के सामने जहां पर स्टेशन बनना है 22×50= 1100 वर्गफीट के दो डायवर्टेड प्लाट बेचना है फ्रेंड्स गुप्ता कॉलोनी से लगे हुए इच्छुक व्यक्ति ही सम्पर्क करें-7610798489 **(37025)**

बेचना है- नेहरू नगर में प्लाट 5800 फिट 3 मंजिल मकान इमली पारा 700 फिट प्लाट 2 मंजिल मकान वंदा वन कॉम्प्लेक्स 3 दुकान तेलीपारा में प्लाट 16×88 मैग्नेटो मॉल के सामने फस्ट फ्लोर 556 फीट फूल फ़नीश ऑफिस सरकंडा पूजा पार्क - 3 -B -Hk फ्लेट 9302855022 **(37048)**

बेचना है- वैष्णव देवी मंदिर, एसएस हायर सेकेंडरी स्कूल निर्माणाधीन सेंट्रल जेल के आगे डामर रोड ऊपर पौसरा नगोई बिलासपुर में 5.44 एकड़ बोर पंप सहित, तत्काल खरीदी में रजिस्ट्री खर्च फ्री संपर्कः- 9575788444, 98279 73060 **(3355)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है-बिलासपुर में गोकुल धाम में सर्व सुविधा युक्त 2BHK, 25×40= 1000 वर्ग फीट में बना हुआ नव निर्मित मकान 28 लाख रुपए में बेचना है सम्पर्क करें- 9340252857 **(36988)**

किराया

किराया - प्राइम लोकेशन विजयापुरम फेस 2 हेल्थ एंड वॉच जिम, एसईसीएल हेड ऑफिस साइंस कॉलेज के सामने सीपत रोड बिलासपुर में 1BHK, 2BHK सर्वसुविधायुक्त मकान /फ्लैट किराए से देना है। संपर्कः- 9300878897 **(3354)**

फायनेंस

फायनेंस- जनधन लोन आधारकार्ड से पर्सनल, बिजनेस, प्रॉपर्टी, लेबर कार्ड, इश्रम कार्ड मार्कशीट, कृषि पर 100000/- से 500000/- तक 2% ब्याज, 50% छूट संपर्क 7042858951 **(3348)**

व्यापार

व्यापार-अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000 से 50000 प्रति माह कमाएं आटो मेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट सम्पर्क करें-APS इंटरप्राईजेस रायपुर- 9111760925, 7477221345, बिलासपुर- 8359913999, 95892 88936 रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871 **(3194)**

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 75 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 7-8 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाए।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
ब्रेस्ट टोनर क्रिम
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय
महिला
दिवस
जम्मो बेटी-बहिनी-महतारी
मन ल बधाई
❖ महतारी वंदन योजना के अंतर्गत राज्य की 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह ₹1000 की सम्मान राशि
❖ अब तक ₹7,832 करोड़ का हस्तांतरण
सशक्त अउ स्वावलंबी नारी
हमर छत्तीसगढ़ के चिन्हारी
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
सुशासन से
समृद्धि की ओर
/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

बीओबी ने महिलाओं के लिए विशेष बचत खाता किया शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने शुक्रवार को 'ऑटो स्वीप' सुविधा से लैस 'बॉब ग्लोबल वूमेन एनआरई और एनआरओ बचत खाता' शुरू करने की घोषणा की। इससे ग्राहकों को उच्च ब्याज प्राप्त करने के साथ सस्ती दर पर आवास ऋण और वाहन ऋण प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी।

बीओबी महिला खाताधारकों के लिए ऐसा खाता लेकर आने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक है। इस खाते में कर्ज पर प्रसंस्करण शुल्क भी कम लगेगा। बैंक ने अपने प्रमुख एनआरआई पेशकशों में से एक बॉब प्रीमियम एनआरई (प्रवासी बाह्य खाता) और एनआरओ (प्रवासी साधारण खाता) बचत खाते में सुधार किया है जिससे ग्राहकों को अधिक फायदेमंद बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए इसकी सुविधाओं और लाभों को बढ़ाया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की कार्यकारी निदेशक बीना वहीद ने कहा, /"बॉब ग्लोबल वूमेन एनआरई और एनआरओ बचत खाता आज की वैश्विक भारतीय महिलाओं की बदलती गतिशीलता को पहचानता है। इसे महिलाओं को प्रीमियम बैंकिंग विशेषाधिकार और सोच-समझकर तैयार की गई सुविधाएं प्रदान करके सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। बैंक ने कहा कि संशोधित बॉब प्रीमियम एनआरई और एनआरओ बचत खाता कई सुविधाओं के साथ आता है, जिसमें बढ़ी हुई लेनदेन सीमा के साथ एक अनुकूलित डेबिट कार्ड, मानार्थ घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय लाउंज का उपयोग, निःशुल्क सुरक्षित जमा लॉकर और निःशुल्क व्यक्तिगत और हवाई दुर्घटना बीमा कवरेज शामिल है।

जनवरी-फरवरी में चीन के निर्यात, आयात में कमी

हांगकांग। चीन के निर्यात में जनवरी और फरवरी में सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो अनुमान से कम है। आयात-निर्यात के मोर्चे पर साल की धीमी शुरुआत हुई। निर्यात में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत की वृद्धि होगी। 2025 के पहले दो महीनों में चीन का कुल व्यापार अधिशेष बढ़कर 170.52 अरब डॉलर हो गया।

रुपया 20 पैसे की तेजी के साथ 86.92 प्रति डॉलर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 20 पैसे उछलकर 86.92 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर सूचकांक के अपने पांच महीने के निचले स्तर पर आने तथा मांग में नरमी के अनुमानके कारण कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की वजह से रुपये में तेजी देखने को मिली। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि, अस्थिर घरेलू शेयर बाजार की धारणा और विदेशी पूंजी की सतत निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी का कारण दुनिया भर में शुल्क को लेकर अस्पष्टता की वजह से जोखिम से बचने की प्रवृत्ति में वृद्धि है।

थिंग गैस का मीटर आपूर्ति के लिए पोलारिस से करार

मुंबई। शहरी गैस वितरण कंपनी थिंक गैस ने स्मार्ट गैस मीटर की आपूर्ति के लिए पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग के साथ 500 करोड़ रुपये का समझौता किया है। थिंक गैस ने शुक्रवार को बयान में कहा कि समझौते के तहत, पोलारिस 10 लाख अत्याधुनिक स्मार्ट गैस मीटर की आपूर्ति के साथ व्यापक 'हेड-एंड सिस्टम' और 'मीटर डेटा प्रबंधन प्रणाली समर्थन' प्रदान करेगी। अनुबंध '500 करोड़ रुपये से अधिक' का है। थिंक गैस के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिलेश गुप्ता ने कहा, "भारत जैसे-जैसे अधिक ऊर्जा दक्षता की ओर बढ़ रहा है।

पतंजलि का मेगा खाद्य संयंत्र रविवार से होगा शुरू

नागपुर। पतंजलि आयुर्वेद ने शुक्रवार को कहा कि नागपुर में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित उसका मेगा खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र रविवार से चालू हो जाएगा।

कंपनी ने कहा कि नागपुर के मिहान में 1,500 करोड़ रुपये के कुल निवेश से 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क' का उद्घाटन नौ मार्च को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और योग गुरु रामदेव सहित अन्य की मौजूदगी में किया जाएगा। पार्क में प्रतिदिन 800 टन उत्पादन क्षमता वाली फल एवं सब्जी प्रसंस्करण इकाइयां होंगी। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह संयंत्र क्षेत्र में कृषि क्रांति लाएगा और विदर्भ के किसानों के जीवन में खुशहाली लाएगा।

छ.ग. गृह निर्माण मंडल, वृत्त-बिलासपुर

निविदा आमंत्रण सूचना — वि.क्र.-04

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल वृत्त- बिलासपुर अन्तर्गत विद्युत संभाग बिलासपुर में निक्षेप कार्य के अन्तर्गत पंडित सुन्दर लाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिरकोना बिलासपुर में बी.एड., डी.एल.एड. एवं सांस्कृतिक भवन हेतु बाह्य विद्युतीकरण कार्य हेतु (प्रथम) ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के विद्युत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता (वि.), विद्युत संभाग बिलासपुर के मो.नं. 09827896474 पर संपर्क करें।

संवाद- 43138 — उपायुक्त

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 80 दिनांक 29.07.2024 को अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

जी-242505787/3

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग रायगढ़ (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना क्र. 11

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 2358./निविदा/ग्रायांसेवा/2024-25,
रायगढ़, दिनांक 05.03.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :- 21-03-2025 (शायं 05.30 बजे तक)
2. पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा ई.एम.डी. तकनीकी अभिलेख जमा करने की अंतिम तिथि :- 27-03-2025 (शायं 05.30 बजे तक)

ई-निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में
165507	महतारी सदन निर्माण कार्य ग्राम गोपालपुर, वि. खंड रायगढ़ जिला रायगढ़ (छ.ग.)	22.477
165508	महतारी सदन निर्माण कार्य ग्राम सांकरा, वि. खंड बरमकेला जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)	22.477
165509	शासकीय कृषि प्रक्षेत्र अमेठी वि. खण्ड सारंगढ़ जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) में खाद बीज संग्रहण एवं वितरण हेतु गोदाम निर्माण कार्य भाग-एक एवं भाग-दो तथा प्रशिक्षण शेड निर्माण भाग-एक एवं भाग-दो	36.848

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 06.03.2025 को सायं 5:31 से देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रायगढ़ (छ.ग.)

जी-242505773/5

कार्यालय कलेक्टर, जिला-कोरबा (छत्तीसगढ़) एवं पदेन सचिव छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

-:: अधिसूचना ::-

क्रमांक/622 / भू-अर्जन /2024 — कोरबा, दिनांक 16-01.2025

क्रमांक 20210705050000 4/अ-82/2020-21, चूँकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि, नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की, ए.डी.बी. परियोजना लोन-3 के अंतर्गत पैकेज-23, पाली- सिल्ली मार्ग लम्बाई 21.481 कि.मी. के उन्नयन एवं पुनर्निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

अनुसूची भूमि का वर्णन :- 01. जिला कोरबा 02. तहसील पाली 03. ग्राम पोलमी 04 भमि का क्षेत्रफल 0.4102 हे.

खसरा	रकबा (हे.में
98	0.0670
99	0.0430
123/3	0.1520
38/1 ड.	0.0250
122/2	0.0160
37/14	0.0010
18/12	0.0130
15/1	0.0110
8/1/क/29, 369/1/क/15	0.0020
8/1/क/21, 369/1/थ	0.0110
369/1/न/3	0.0020
366/1, 369/1/म/1	0.0040
369/1/म/8	0.0040
369/1/म/7	0.0040
15/3	0.0130
369/1/ख/3	0.0089
369/1/क/39	0.0160
369/1/ढ.	0.0120
369/1/क/21	0.0053
19 खसरे	0.4102

2. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाली के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. उक्त भूमि अर्जन में किसी भी व्यक्ति का विस्थापन निहित नहीं है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी पाली जिला - कोरबा (छ.ग.)
जी-24250 5790/2
(अजीत बसंत) कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited

(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
(ISO 9001:2015 Certified)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No. 1, Telibandha, Raipur(C.G.)-492006
CIN: U45203CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N,
GST Reg. No. 22AABCM6288N5ZY Phone: 0771-6621000 Fax: 0771-2583794
Website: www.csidc.in, Email address:csidc.cg@nic.in, csidc_raipur@yahoo.com

Invitation for Expression of Interest (EOI)

EOI/NIT No. 16/CSIDC/E.E./Division-III/2024-25
Raipur, dated 06/03/2025

The Government of Chhattisgarh, through the Chhattisgarh State Industrial Development Corporation (CSIDC), invites reputed Agencies to submit Expressions of Interest (EOI) for the "Development of **GEMS & JEWELLERY PARK at Krishi Upaj Mandi Campus, Mandi Road Pandri, Raipur (C.G.), on Public-Private Partnership (PPP)/ Land Development Model Mode".**

The EOI document containing detailed terms & conditions, scope of work and other details can be downloaded from website www.csidc.in from 07/03/2025 and shall be submitted as detailed below:

Key Details:
* **Last date for Submission of EOI:** 08/04/2025, 4:00 P.M.
* **Submission Mode:** EOI should be submitted in a sealed envelope, super scribed as: **"Expression of Interest (EOI)"** for Development of GEMS & JEWELLERY PARK at Krishi Upaj Mandi Campus, Mandi Road Pandri, Raipur (C.G.), on Public-Private Partnership (PPP)/Land Development Model Mode".

Address for Submission:
The Managing Director,
Chhattisgarh State Industrial Development Corporation (CSIDC),
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No. 01, Telibandha, Raipur (C.G.)-492001
For further information and clarifications, please contact:
* **Shri Alok Kumar Trivedi, Executive Director, CSIDC**
* **Mobile: +91 94252-35401**
* **Email: csidc.cg@nic.in, csidc_raipur@yahoo.com**

S.- 43145 — **Executive Director, CSIDC**

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पुराना जिला चिकित्सालय भवन जिला राजनांदगाँव (छ.ग)

Email - cmho-rjn.cg@gov.in, Ph. 07744-224084

क्रमांक /स्था./ सीधी भर्ती /2025/1406 — राजनांदगांव दिनांक 5.3.25

।। ड्रेसर ग्रेड-2 के पद हेतु दस्तावेज सत्यापन पंचम सूची हेतु सूचना ।।

ड्रेसर ग्रेड-2, के नियमित पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से पूर्ति करने हेतु आनलॉईन माध्यम से आमंत्रित आवेदन पत्रों के आधार पर चतुर्थ दस्तावेज सत्यापन उपरांत जिला स्तरीय चयन समिति के अनुमोदन अनुसार ड्रेसर ग्रेड-2 के पद के लियें दस्तावेज सत्यापन हेतु चतुर्थ दस्तावेज सत्यापन पात्र अपात्र सूची एवं दस्तावेज सत्यापन हेतु पंचम सूची का प्रकाशन राज्य स्तरीय विभागीय वेबसाईट https://cghealth.nic.in में किया जा रहा है। अभ्यार्थी दस्तावेज सत्यापन हेतु उक्त सूची, का अवलोकन कर दिनांक 11.03.2025 समय प्रातः 10:00 बजे से संध्या 05:00 बजे तक निर्धारित प्रारूप में जानकारी भरकर अपने समस्त आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रति एवं एक छायाप्रति के साथ कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पुराना जिला चिकित्सालय भवन, गुरूनानक चौक राजनांदगांव में उपस्थित होवे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

जी-242505800/2

Office of the Superintending Engineer, Chhattisgarh Rural Road Development Agency Project Circle No. 01 Bastar

E-Procurement Tender Notice
SHORT NOTICE INVITING BIDS

NIT No. 167 /TS 1690/CGRRDA /2025 — Bastar Date 05/03/2025

The Superintending Engineer, Chhattisgarh Rural Road Development Agency, Project Circle No. 01 Bastar on behalf of Governor of Chhattisgarh invites Online percentage rate bids for Construction of roads under Niyad Nellanar Yojana by Special Central Assistance (SCA) Fund in District Sukma from the eligible contractors registered with unified registration system (e-registration with Public Works Department). Details are as under :-

S. No.	Block	Name of Work	Tender Estimated Cost (in lakhs)	No. of Call	SOR Applied
1	Konta	Idjepal to Guphapal, Length 2.10	58.30	2nd Call	SOR Applied SOR of CGRRDA w.e.f. 22.02.2018

Date of release of Invitation for Bids through e-procurement : 07/03/2025 After 17:30 Hours.

Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency,
Project Circle No. 01 Bastar
Dist. Bastar (C.G.)
E-mail: circle1jdp@gmail.com

S.- 43143

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
दूरभाष (का.) 0771-2439564, 0771-2331204 वेबसाईट: www.psc.cg.gov.in

क्रमांक 7163/09/परीक्षा/2024 — रायपुर, दिनांक 4 MAR 2025

निरीक्षक वाष्पयंत्र (वाणिज्य एवं उद्योग विभाग)
परीक्षा-2024 की समय-सारिणी

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के विज्ञापन क्र. 01/2024 / परीक्षा दिनांक 17.10.2024 के तहत निरीक्षक वाष्पयंत्र (वाणिज्य एवं उद्योग विभाग) परीक्षा-2024 की लिखित परीक्षा दिनांक 04 मई 2025 (रविवार) को जिला-रायपुर (छ.ग.) के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसकी समय सारिणी निम्नानुसार है:-

DATE	DAY	TIME	SUBJECT
04.05.2025	SUNDAY	10:00 AM TO 01:00 PM	Part-1 General Knowledge of Chhattisgarh Part-2 Related Subject

उक्त परीक्षा हेतु आयोग द्वारा प्रवेश पत्र परीक्षा तिथि के 10 दिवस पूर्व जारी किया जाएगा। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग द्वारा किसी भी अभ्यर्थी को पृथक से प्रवेश पत्र व्यक्तिशः नहीं भेजा जायेगा।

सचिव- छ.ग. लोक सेवा आयोग
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

जी-24250 5805/3

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(Notice Inviting Tender) Second Call

NIT NO:-25I/EE/M.W./2025 — RAIPUR DATED: 05/03/2025

Online bids are invited for the following works up to 26-03-2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Description of work	Quantity	Probable amount of Contract
1	165613	Supply of Vehicles with high speed water mist spray system on reduction of airborne particulate matter	02 Nos.	49.50 Lakh

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in in from 05.03.2025 11.00 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal. NIT details and other document.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.,
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. Contact Number - 8223840510

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	165384 प्रथम आमंत्रण 03.03.2025	दर्री धूमा सिलपहरी मार्ग के कि.मी. 1/2 से 6/8 (100) लंबाई 5.80 कि.मी. का निर्माण कार्य।	731.78
2	165379 प्रथम आमंत्रण 03.03.2025	नवीन जिला मोहला - मानपुर - अंबागढ़ चौकी में संयुक्त जिला कार्यालय भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, बाउण्ड्रीवाल, विद्युतीकरण एवं पहुंच मार्ग सहित निर्माण कार्य।	1831.63
3	165381 प्रथम आमंत्रण 03.03.2025	जिला रायपुर के नवागांव बेलदार सिवनी सोनभट्ठी कठिया मार्ग लंबाई 12.50 कि.मी. का निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित। विधानसभा संभाग रायपुर।	2871.82
4	165428 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	जिला रायपुर के धनेली आंतरिक मार्ग लंबाई 2.60 कि.मी. निर्माण कार्य। शेष कार्य। संभाग क-1 रायपुर।	203.84
5	165391 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	जिला सरगुजा के डिगमा एफ.सी.आई. गोदाम से इंजीनियरिंग कॉलेज होते हुए संस्कृत महाविद्यालय तक मार्ग लं. 1.775 कि.मी. का निर्माण कार्य।	248.44
6	165420 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	1). जिला जशपुर के देवरी से खुटगांव पहुंच मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी. निर्माण कार्य। 2). जिला जशपुर के चोंगरीबहार से होंगरोटोली ढोढ़ीबहार पहुंच मार्ग लंबाई 4.30 कि.मी. निर्माण कार्य।	836.98
7	165423 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	जिला जशपुर के चेटबा विश्रामपाली से नरियरडांड पहुंच मार्ग लं. 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	324.43
8	165427 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	जिला बलौदाबाजार - भाठापारा के बिलाईगढ़ से धाराशिव मार्ग के धाराशिव नाला (सेमराडीह नाला) पर उच्चस्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	460.55
9	165442 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	जिला जशपुर के बनकोम्बो से घटमुण्डा पहुंच मार्ग लंबाई 3.40 कि.मी. का निर्माण कार्य।	305.75
10	165455 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के मुरकील से गोयनी म.प्र. सीमा तक मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. निर्माण कार्य।	386.69
11	165433 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	हरदी से भस्करा (डी-3 केनाल) तक पहुंच मार्ग लंबाई 7.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	840.74
12	165477 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	जिला जशपुर के बम्हनी पहुंच मार्ग लं. 1.925 कि.मी. का निर्माण कार्य।	212.78
13	165482 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	गांधी चौक से तारबाहर चौक तक मार्ग लंबाई 1.10 कि.मी. का निर्माण कार्य।	252.72
14	165485 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	जिला रायपुर के आमापारा, तात्यापारा अग्रसेन चौक, तेलघानी नाका, रामसागरपारा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न मार्गो का डामरीकरण एवं कांक्रीटीकरण लंबाई 7.80 कि.मी. का निर्माण कार्य संभाग क-1 रायपुर।	267.93
15	165486 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	चकरभाठा से दगौरी पहुंच मार्ग (व्हाया रहंगी बिल्हा उड़गन दगौरी) लंबाई 14.05 कि.मी. का निर्माण कार्य।	1129.83
16	165488 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	जिला महासमुंद के जामली से सिरगिड़ी मार्ग लंबाई 2.850 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित।	335.32
17	165487 प्रथम आमंत्रण 04.03.2025	करही से चुनचुनिया मार्ग लंबाई 4.35 कि.मी. का निर्माण कार्य।	408.01

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 01 से सं.क. 17 दिनांक 26.03.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता, केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी. 242505797/5

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009, क्र., 25 द्वारा स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर-495009 (छ.ग.) भारत
दूरभाष: +91-7752-260342, फैक्स: +91-7752-260154, 260148, वेबसाइट-www.ggu.ac.in

संदर्भ क्र. 1191 प्रवेश/अकादमिक/25 — प्रवेश सूचना (2025-26) — बिलासपुर, दिनांक 06.3.2025

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) (स्नातक-2025) के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

(अ) प्रवेश के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम ऑनर्स पाठ्यक्रम बी.कॉम (ऑनर्स), बी.एस.डब्ल्यू, बी.ए. (ऑनर्स) मानव विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान।
बी.एससी. (ऑनर्स) - मानव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, वनस्पति शास्त्र, फोरेन्सिक साइंस, रसायन शास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान, प्राणी शास्त्र, गणित, भौतिक शास्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, बी. फार्म, बी.एससी. वानिकी।
पंचवर्षीय एकीकृत बीए-एलएल.बी. बीकॉम-एलएल.बी.।
स्व-वित्तीय योजना के तहत संचालित पाठ्यक्रम बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बी.सी.ए.), बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबी.ए.)
डिप्लोमा पाठ्यक्रम फार्मेसी में डिप्लोमा।

(ब) प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता, सीटों की संख्या, आरक्षण नीति, प्रवेश परीक्षा के प्रावधान, शुल्क एवं प्रवेश परीक्षा हेतु कार्यक्रम-विषय मैपिंग की जानकारी के लिए कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.new.ggu.ac.in में उपलब्ध लिंक '' प्रवेश सूचना 2025-26'' का एवं https://cuet.nta.nic.in का अवलोकन कर सकते हैं ।

(स) यह प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जाएगी, अतएव सीयूईटी के लिए एनटीए द्वारा अधिसूचित प्रवेश प्रकिया एवं प्रवेश परीक्षा के पाठ्यक्रम का अनुसरण विश्वविद्यालय द्वारा किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को सभी तरह की अद्यतन जानकारी के लिए उपरोक्त उल्लेखित लिंक का नियमित रूप से अवलोकन करना होगा।

(द) महत्वपूर्ण तिथियां : 1. ऑनलाइन आवेदन की प्रकिया प्रारंभ तिथि : 01-03-2025 2. ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि : 22-03-2025

(इ) बी.टेक. पाठ्यक्रम में प्रवेश जेईई मेंस के माध्यम से दिया जाएगा। बी.टेक./ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को इस विज्ञापन के विरूद्ध आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

कुलसचिव (कार्यवाहक)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 165408/निविदा सूचना क्र. 28/व.ले.लि./2024-25
दिनांक. 04.03.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 26.03.2025, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम : बिलासपुर जिले के विकासखण्ड तखतपुर अंतर्गत बंधवा (भरनी) जलाशय योजना का जीर्णोद्वार कार्य।

अनुमानि लागत : रूपये 216.33 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 11.03.2025, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते हैं।

नोट: 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। 2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 (संशोधित 01.08.2022) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग,
कोटा जिला- बिलासपुर (छ.ग

जी-242505772/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता वि./यां. मिनीमाता बांगो संभाग, माचाडोली मुख्या. कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 164783/निविदा सूचना क्र. 13/व.ले.लि./2024-25
दिनांक 05.03.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 24.03.2025, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम: केलो बाँध के रेडियल गेटो के पेंटिंग एवं रबर सील बदलने से संबंधित कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 169.14 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 12.03.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। 2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.08.2010 (संशोधित 01.08.2022

कार्यपालन अभियंता
वि./यां. मिनीमाता बांगो संभाग माचाडोली (छ.ग.)
कृते-अधीक्षण अभियंता वि./यां. जल संसाधन मण्डल सकरी, बिलासपुर (छ.ग.)

जी-242505781/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 165295/निविदा सूचना क्र. 26/वलेलि/2024-25,
कवर्धा दिनांक 05.03.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 26.03.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - कबीरधाम जिले के विकासखण्ड पंडरिया की ग्राम मथानीखुर्द में हाफ नदी पर रिटर्निंगवाल का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत - रू. 294.41 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 12.03.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
कुते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

जी-242505794/3

खबर संक्षेप

डब्लूपीजीए रद्द : दीक्षा प्रणवी, अवनि निराश

गोल्ड कोस्ट। भारतीय महिला गोल्फरों दीक्षा डागर, प्रणवी उर्स और अवनि प्रशांत के लिए यह सप्ताह निराशाजनक रहा क्योंकि अल्फ्रेड तूफान के प्रभाव की आशंका से आस्ट्रेलियाई डब्लूपीजीए चैंयनशिप और गोल्ड कोस्ट गोल्फ फेस्टिवल रद्द कर दिया गया। मौसम के अनुमान और आयोजकों से मशविरे के बाद लेडीज यूरोपीय टूर ने यह अभूतपूर्व फैसला लेते हुए पहले दिन के खेल से पूर्व टूर्नामेंट रद्द कर दिया। दीक्षा लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता है जबकि प्रणवी और अवनि ने घरेलू टूर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

युवा साक्षी की नजरें जूनियर विश्व कप पर

नई दिल्ली। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम के साथ सफल पदार्पण के बाद युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा अब अपनी रफ्तार पर काम कर रही है और उनकी नजरें चिली में इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन पर लगी है।

सत्रह वर्ष की साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में गोल किया हालांकि भारत वह मुकाबला 3-4 से हार गया था। साक्षी ने कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी लिहाजा इसे लेकर बहुत खुश हूं। मैं मैच से पहले इतनी नर्वस नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन किया और मुझे कहा कि तुम्हारे पहले मैच में कोई गलती नहीं है लिहाजा खुलकर खेलो।'

विलियमसन बनाम भारतीय स्पिनर, चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में कल होगा रोचक मुकाबला

भारत ने 2013 के बाद से नहीं जीती है चैंपियंस ट्रॉफी

एजेंसी ▶▶| दुबई

फॉर्म में चल रहे भारतीय स्पिनरों और न्यूजीलैंड के धाकड़ बल्लेबाज केन विलियमसन के मुकाबले पर भी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में सभी की नजरें होंगी और यह मैच का निर्णायक पहलू भी साबित हो सकता है। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी वर्ष 2000 में जीती थी जब भारत को चार विकेट से हराया था। इसके बाद से आईसीसी 50 ओवरों के खिताब के लिए टीम इंतजार कर रही है। दूसरी ओर भारत ने 2013 के बाद से चैंपियंस ट्रॉफी नहीं जीती है और इस मैच में टीम फिर चार स्पिनर उतार सकती है।

फाइनल मैच दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की उसी पिच पर खेला जाएगा जिस पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच हुआ था। उसमें स्पिनरों को काफी मदद मिली थी। ऐसे में हालात के अनुकूल ढलने का विलियमसन का कौशल और तकनीकी महारत न्यूजीलैंड के लिए अहम होगी। भारत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में 81 रन बनाकर वह इसे फिर साबित कर ही चुके हैं। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड का मानना है कि भारत का चौतरफा स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण होगा।

स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण

स्टीड ने कहा, 'हमारे खिलाफ शायद वह स्पिन रणनीति को अपनाएंगे लेकिन हमारे पास भी चार स्पिनर हैं। हमारी टीम संतुलित है लेकिन चौतरफा स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण होगा। उनके पास बेहतरीन स्पिनर हैं। हमें हालात के अनुरुप ढलना होगा और हमारे सभी बल्लेबाज अपनी रणनीति बनाकर भारतीय स्पिनरों के सामने उतरेंगे।'

केन में काबिलियत

भारत के वरुण चक्रवर्ती के पास विविधता है जिसमें लेग ब्रेक और सीम लेती गेंदें शामिल हैं। उन्होंने मिचेल सेंटनेर को 113 किमी की रफ्तार वाली गेंद पर आउट किया था। ऐसे में स्टीड की रणनीति का अहम हिस्सा विलियमसन होंगे जिन्होंने वनडे क्रिकेट में स्पिनरों के खिलाफ 47 की औसत से 2952 रन बनाए हैं। स्टीड ने कहा, 'वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है और कई बार न्यूजीलैंड के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर चुका है। क्रिकेट के खेल में रनों की गारंटी नहीं होती लेकिन मुझे पता है कि केन रन बनाने की पूरी कोशिश करेगा। वह दुनिया के चुनिंदा क्रिकेटरों में से है जिनमें विभिन्न पिचों के अनुरुप ढलने की कमाल की काबिलियत है।'

हेनरी चोटिल
न्यूजीलैंड को लगा बड़ा झटका

दुबई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी कंधे की चोट चोट के कारण भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल से बाहर हो सकते हैं हालांकि कोच गैरी स्टीड को उम्मीद है कि वह रविवार को फाइनल तक ठीक हो जाएंगे। हेनरी ने अब तक टूर्नामेंट में सर्वाधिक दस विकेट लिए हैं जिसमें भारत के खिलाफ ग्रुप मैच में पांच विकेट शामिल है। तैतीस वर्ष के हेनरी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में बुधवार को सेमीफाइनल के दौरान घायल हो गए थे। स्टीड ने कहा, 'मैट के कंधे में चोट लगी है और वह असहज महसूस कर रहा है। उसका स्कैन कराया गया है और उम्मीद है कि वह मैच तक फिट हो जाएगा।'

वाणी कपूर ने जीता लगातार दूसरा डब्लूपीजीटी खिताब

एजेंसी ▶▶| गुरुग्राम

भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने शुक्रवार को यहां बैक नाइन पर एक बर्डी और आठ पार से एक अंडर 71 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह आसानी से हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के पांचवें चरण का खिताब जीतने में कामयाब रहीं। वाणी इस तरह रिद्धिमा दिलावारी(70) और रिया झा (73) पर तीन शॉट से आगे रहीं और लगातार दूसरा खिताब हासिल किया। उन्होंने पिछले महीने

चौथा चरण भी जीता था। डब्ल्यूपीजीटी के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार वाणी ने 70-75-71 के कार्ड खेले जिससे 54 होल में उनका कुल स्कोर इवन पार 216 का रहा।

इंग्लैंड के सफेद गेंद के नए कप्तान हो सकते हैं स्टोक्स

लंदन। जोस बटलर के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स सीमित ओवरों के प्रारूप में अगले कप्तान हो सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड के एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाने के बाद बटलर ने टूर्नामेंट के बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। इससे पहले भारत में श्रृंखला में भी उसे पराजय मिली।

तैतीस बरस के स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर थे। उन्होंने 2023 विश्व कप के बाद से

वनडे क्रिकेट नहीं खेली है जब उन्होंने इस प्रारूप से विदा लेने का अपना फैसला वापिस ले लिया था। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड में पुरुष क्रिकेट निदेशक की ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा, बेन स्टोक्स सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से है। उसके नाम पर विचार नहीं करने वाला मूर्ख होगा। वह अविश्वसनीय रूप से अच्छा रणनीतिकार है जो हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा। वह खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा पाता है।

जीत के साथ विदाई लेने उतरेंगे वारियर्स

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर खड़ी यूपी वारियर्स शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ मैच में जीत के साथ महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र से विदा लेना चाहेगी और इसके लिये मध्यक्रम के उसके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

यूपी की टीम ने कई मौके गंवाए और एक ईकाई के रूप में

अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही। सात मैचों में महज चार अंक के साथ वह तालिका में सबसे नीचे है और तकनीकी दौर पर ही दौड़ में बनी हुई है।

RCP
INFRATECH PVT. LTD.

FREE FREE FREE

ग्राहकों की भारी डिमांड पर रॉ हाउस भी उपलब्ध

VIP CITY
A City in The City

Ready to Move
Villas
2BHK, 3 BHK & 4 BHK

मकान के साथ दुकान FREE
स्ट्रक्चर के साथ आधी कीमत पर दुकान उपलब्ध*
रेसिडेंशियल एवं कमर्शियल प्लॉट भी उपलब्ध

Ready Possession
Shops & Offices

Follow us on :
@VIPCITYRPR

CALL- 812 000 8290

Member of : CREDAI CHHATTISGARH
RERA REGISTERED PROJECT :
(VIP VILLAS/SHOP) RERA NO. : PCGRERA130223001603
(PRIME- 2) RERA NO. : PCGRERA130422001395
(SECTOR-5A) RERA NO. - PCGRERA141118000845
www.rera.cgstate.gov.in

A Project by
RCP Infratech Pvt. Ltd.
Saddu-Urkura Road, Ring Road No. 3, Raipur (C.G.),
Email : rcpinfratech.vip@gmail.com, Website : www.rcpinfra.co.in

Scan this QR code to find us Google Maps

फायनेंस उपलब्ध
SBI | Central Bank of India | kotak Kotak Mahindra Bank | HDFC HOME LOANS
Follow us on : /vipcityrpr /vipcityrpr

* Terms & Conditions Apply

बच्चे को जिंदा जलाया, उम्रकैद में बदली फांसी की सजा

हाईकोर्ट ने कहा- मामला रेयर ऑफ द रेयरेस्ट नहीं

मां से एकतरफा प्यार में मासूम की हुई थी हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏩ बिलासपुर

रायपुर में 4 साल के बच्चे को जिंदा जलाने वाले आरोपी युवक की फांसी की सजा को हाईकोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि दोषी की उम्र 35 साल है और उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। ऐसे में मृत्युदंड की जगह उम्रकैद की सजा पर्याप्त होगी। बता दें कि रायपुर के 7वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने तीन माह पहले आरोपी को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। इस फैसले की पुष्टि के लिए हाईकोर्ट में अपील की गई थी। उरला थाना क्षेत्र में रहने वाली पुष्पा चेतन ने 5 अप्रैल 2022 को अपने चार साल के बेटे हर्ष कुमार चेतन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि पड़ोसी पंचराम उसके दोनों बेटों दिव्यांश और हर्ष को घुमाने ले गया था। कुछ देर बाद दिव्यांश को लौटा दिया, लेकिन हर्ष को अपने साथ ले गया। देर रात तक हर्ष घर नहीं लौटा तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। बच्चे के पिता जयेंद्र, उरला इलाके में पूर्व पार्षद अशोक बघेल के मकान में किराए से रहता है, जबकि आरोपी पंचराम भी पड़ोस में किराए पर रहता था। उसने चार साल के हर्ष को किडनैप किया था। जिसके बाद पुलिस ने जांच में पंचराम का मोबाइल नंबर ट्रेस किया। उसका लोकेशन नागपुर मिला। 7 अप्रैल 2022 को पुलिस ने उसे नागपुर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि हर्ष की हत्या कर दी और शव को नेवनारा और अकोली खार के पास जला दिया। पुलिस ने 8 अप्रैल 2022 को पंचराम की निशानदेही पर अधजला शव बरामद किया। मृतक के पिता जयेन्द्र चेतन ने शव की पहचान की।

बच्चे की मां से एकतरफा प्यार करता था आरोपी

केस में पहले ही यह खुलासा हुआ था कि, वारदात को अंजाम देने वाला पंचराम बच्चे की मां से प्यार करता था। मां को हासिल करना चाहता था। इसी मकसद से बच्चे को रास्ते से हटाने के लिए उसने 4 साल के हर्ष को किडनैप किया। घर से दूर ले गया और जिंदा जलाकर भाग गया। हाईकोर्ट ने पंचराम के अपराध को जघन्य मानते हुए कहा है कि उसने मासूम बच्चे की निर्ममता से हत्या की थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं है, जिसमें फांसी की सजा दी जाए। हाईकोर्ट ने फैसले में कहा है कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में मृत्युदंड की सजा उचित नहीं है। हमारा विचार है कि यह दुर्लभतम मामला नहीं है, जिसमें मृत्युदंड की बड़ी सजा की पुष्टि की जानी है। आजीवन कारावास पूरी तरह से पर्याप्त होगा और न्याय के उद्देश्यों को पूरा करेगा। फैसले के बाद आरोपी अब पूरी जिंदगी जेल में रहेगा।

शराब घोटाला, त्रिपाठी समेत 3 को जमानत ढेबर और टुटेजा की याचिका खारिज

बिलासपुर। शराब घोटाले में जेल में बंद आरोपियों की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में अरुणपति त्रिपाठी, दीपक दुआरी और अनुराग द्विवेदी को जमानत दे दी है।

> ■ आरोपियों को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और वे देश से बाहर नहीं जा सकेंगे

हालांकि, रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा और अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज कर दी गई, जिससे उन्हें जेल में ही रहना होगा। इस मामले में आरोपियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने पैरवी की। अनुराग द्विवेदी और दीपक दुआरी के लिए सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ अग्रवाल और शशांक मिश्रा, जबकि अरुणपति त्रिपाठी के लिए सीनियर एडवोकेट मीनाक्षी माथुर ने दलीलें पेश कीं।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस एएस ओक की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मामले में दर्ज किए गए निष्कर्षों पर विचार करने के बाद अपीलकर्ताओं को जमानत दी जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इससे जांच किसी भी तरह प्रभावित नहीं होगी। कोर्ट के आदेश के अनुसार, आरोपियों को 10 अप्रैल 2025 को जमानत पर रिहा किया जाएगा, लेकिन उन्हें कुछ सख्त शर्तों का पालन करना होगा। आरोपियों को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और वे देश से बाहर नहीं जा सकेंगे। साथ ही उन्हें हर सुबह 10 बजे जांच अधिकारी के सामने हाजिरी देनी होगी। इसके साथ ही अगर आरोप पत्र दायर किया जाता है, तो आरोपियों को जांच में पूरा सहयोग करना होगा। सत्र न्यायालय अन्य शर्तों के साथ जमानत पर रिहाई की प्रक्रिया पूरी करेगा।

9 महीने से जेल में हैं त्रिपाठी

ध्यान रहे कि अरुणपति त्रिपाठी 8 अगस्त 2024 से न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद हैं। अरुणपति त्रिपाठी छत्तीसगढ़ सरकार के आबकारी विभाग के विशेष सचिव रह चुके हैं। इससे पहले वे छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एमडी भी रहे हैं। त्रिपाठी मूल रूप से इंडियन टेलीकॉम सर्विस के अधिकारी हैं और डेपुटेशन पर छत्तीसगढ़ में कार्यरत थे।शराब घोटाले में उनकी भूमिका को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 5 अक्टूबर 2024 को रायपुर की विशेष अदालत में उनके खिलाफ पूरक अभियोजन परिवाद दायर किया। कोर्ट ने उसी दिन इस मामले पर संज्ञान लिया था, लेकिन 7 फरवरी 2025 को हाईकोर्ट ने पीएमएलए कोर्ट के संज्ञान को रद्द कर दिया।

शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में भी एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था। इसके अनुसार साल 2019 से 2022 तक सरकारी शराब दुकानों से अवैध शराब डुप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गई। इससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है।

पीसीसीएफ की अपैक्स स्केल पद पर नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने कहा- वरिष्ठता की बजाय मेधा, दक्षता, पूर्ण निष्ठा और उपयुक्तता को प्राथमिकता

बिलासपुर। वन विभाग के पीसीसीएफ वी श्रीनिवास राव की अपैक्स स्केल पद पर नियुक्ति को चुनौती देते हुए लगाई गई याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है।

याचिकाकर्ता सुधीर अग्रवाल 1988 बैच के अफसर हैं। उन्होंने 1990 बैच के आईएफएस श्रीनिवास राव की नियुक्ति पर आपत्ति करते हुए कहा था कि वे वरिष्ठता के आधार पर इस पद के अधिक पात्र थे। जूनियर अफसर को इस पद पर नियुक्त किया गया, जो नियमों के विपरीत है। याचिकाकर्ता ने इस बात पर भी आपत्ति जताई थी नियुक्ति के लिए निर्धारित एक वर्ष की न्यूनतम सेवा अवधि पूरी किए बिना ही आईएफएस राव को प्रमोट कर दिया गया, जो गलत है। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था, जिसे जारी किया गया है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि पीसीसीएफ 'एपेक्स स्केल' पद चयन-आधारित होता है, न कि पदोन्नति-आधारित। इस चयन के लिए वरिष्ठता की बजाय मेधा, दक्षता, पूर्ण निष्ठा और उपयुक्तता को प्राथमिकता दी जाती है। कोर्ट ने माना कि विशेष चयन समिति द्वारा किए गए मूल्यांकन में वी श्रीनिवास राव की वार्षिक प्रदर्शन आकलन रिपोर्ट 49.62/50 अंक रही, जबकि याचिकाकर्ता की 48/50 अंक थी। कोर्ट ने नियुक्ति को उचित ठहराया। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि विशेष चयन समिति का निर्णय नियमों के अनुसार और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लिया गया था। इसलिए, केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट), जबलपुर द्वारा 26 जून 2024 को पारित आदेश में किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं पाई गई और इसे बरकरार रखा गया।

बस्तर जिले को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नीति आयोग ने दिया 3 करोड़ का पुरस्कार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

बस्तर जिले ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षण को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने, नवीन शैक्षणिक तकनीकों के सफल क्रियान्वयन और शिक्षक-छात्र संबंधों को मजबूत करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नीति आयोग ने बस्तर जिले को 3 करोड़ रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया है।

> ■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई

महत्वपूर्ण उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बधाई देते हुए कहा, बस्तर जिले के विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और हमारी सरकार की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता ने जिले को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। यह सम्मान पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह पुरस्कार आकांक्षी जिलों में बुनियादी शिक्षा के सुदृढ़ीकरण और शिक्षा की समावेशी एवं नवाचारयुक्त नीति को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह उपलब्धि प्रदेश में संपूर्ण शिक्षा तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने तथा बस्तर में बौद्धिक और शैक्षणिक विकास को नया आयाम देने के लिए राज्य सरकार को और अधिक प्रेरित करेगी। शिक्षा के क्षेत्र में यह उपलब्धि न केवल बस्तर जिले, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

भूपेश का आरोप- 18 लाख आवास देने के दावे में पिछली सरकार के कार्यों को छिपाया

पीएम आवास पर पूर्व सीएम बघेल और पंचायत मंत्री शर्मा के बीच तीखी बहस

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर विधानसभा में आज जमकर हंगामा हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सवालों पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और सरकार के बीच तीखी नोकझोंक हुई। मामले ने इतना तूल पकड़ा कि विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया।

प्रश्नकाल के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पीएम ग्रामीण आवास योजना के तहत वर्षवार और जिलेवार जानकारी मांगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 18 लाख आवास देने के दावे में पिछली सरकार के कार्यों को छिपाया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस पर कहा, वर्ष 2016 से 2025 तक जनवरी से दिसम्बर तक जानकारी चाही गई है। वित्तीय वर्ष के आधार पर जानकारी दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में 32 लाख आवास दिए गए, जिनमें से 16 राज्यों को आवास की जरूरत नहीं पड़ी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में 8 लाख पीएम आवास बने हैं, जबकि भूपेश

सरकार के कार्यकाल में केवल 3 लाख आवास ही बने थे। उन्होंने कहा, वर्तमान सरकार 18 लाख आवास बनाने का काम कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, आंकड़े में कहा गया है कि 18 लाख आवास दिए गए, लेकिन पिछली सरकार के कामों को छिपाया गया है। सदन के सदस्य को दी गई जानकारी कुछ और है।

जनता को गुमराह कर रही सरकार

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि सरकार आंकड़ों के जरिए जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा, 2011 के सर्वे सूची के आधार पर आवास योजना बनी थी और वर्तमान सरकार ने पीएम आवास योजना में गड़बड़ी की है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूछा, सरकार ने जानकारी दी है कि 11 लाख आवास बन चुके हैं, अब 18 लाख आवास और बनेंगे या सात लाख मकान बनेंगे? पंचायत मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 11 लाख बने हुए आवास से अलग 18 लाख का आंकड़ा है।

साय सरकार ने 2 लाख से अधिक आवास बनाए

विपक्ष के बहिर्गमन के बाद उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दावा किया कि साय सरकार में 2 लाख से अधिक आवास बनाए गए हैं और भूपेश सरकार ने सभी आवासों को अमान्य कर दिया था। सदन में इस मुद्दे पर लगातार हंगामा होता रहा, जहां विपक्ष ने सरकार पर पीएम आवास योजना में भ्रष्टाचार और आंकड़ों में हेरफेर का आरोप लगाया।

आवास, सड़क, पेयजल, नगरोत्थान और गृह प्रवेश सम्मान योजना के लिए सरकार देगी धनः साव

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

विधानसभा में अपने विभागों की बजट अनुदान मांगों पर चर्चा के जवाब में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि सरकार आवास, सड़क, पेयजल, नगरोत्थान और गृह प्रवेश सम्मान योजना के लिए राशि जारी करेगी। शुक्रवार को श्री साव के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15,386 करोड़ 42 लाख 47 हजार रुपए की अनुदान मांगें पारित की गईं।

> ■ उप मुख्यमंत्री अरुण साव के विभागों के लिए 15,386 करोड़ की अनुदान मांगें पारित

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने विभागों से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए सदन में कहा कि आजादी के 60 वर्षों के बाद भी गांवों में घरों तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाया था। हर घर तक पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के चुनौतीपूर्ण कार्य को अंजाम देने वर्ष 2019 से जल जीवन मिशन का काम शुरू किया गया है। जल जीवन मिशन के तहत राज्य में 22 हजार 389 करोड़ 99 लाख रुपए लागत की 29 हजार 173 सिंगल विलेज एवं रेट्रोफिटिंग योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। साथ ही 3,212 गांवों के लिए 4166 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से 70 समूह जल प्रदाय योजनाएं भी मंजूर की गई हैं। इन योजनाओं से राज्य के 50 लाख 4 हजार ग्रामीण परिवार लाभान्वित होंगे। मिशन के कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 4500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के आगामी वर्ष के बजट में हैण्डपम्पों के संधारण के लिए 28 करोड़ 51 लाख रुपए, ग्रामीण नल जल प्रदाय योजनाओं के संधारण के लिए 28 करोड़ 51 लाख रुपए, समूह जल प्रदाय योजनाओं के संचालन/संधारण के लिए 8 करोड़ रुपए और नाबार्ड पोषित सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं के लिए 3 करोड़ 50 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है।

लोक निर्माण का बजट हुआ 9 हजार 451 करोड़ का

श्री साव ने सदन में बताया कि वर्ष 2001 में लोक निर्माण विभाग का बजट मात्र 103 करोड़ 85 लाख रूपए का था, जो 2025-26 के बजट में बढ़कर अब 9,451 करोड़ रूपए पहुंच गया है। यह नये छत्तीसगढ़ के निर्माण की कल्पना को सुदृढ़ करने की पहल है। इस बजट को वर्ष 2030 तक के लिए सड़कों के व्यवस्थित विकास की कार्ययोजना को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अत्यधिक यातायात वाले शहरी भागों में 4 लेन का निर्माण तथा घनी आबादी वाले शहरों की नजदीकी बसाहटों को 4 लेन मार्गों से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है।

पीएम आवास शहरी के लिए 15 हजार मकान की मंजूरी

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री साव ने विभाग की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा के उत्तर में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के शहर विकास के नित नये आयाम स्थापित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत दूसरे चरण में सभी शहरों में ऑनलाईन हितग्राही सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर हैं। अब तक 42 हजार हितग्राहियों की जानकारी भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज की जा चुकी है। केन्द्र सरकार द्वारा दिसम्बर-2024 में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत छत्तीसगढ़ के लिए 15 हजार आवासों की स्वीकृति दी गई है।

गृह प्रवेश पर भी मिलेगी राशि

श्री साव ने बताया कि नये बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 875 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। योजना के लाभार्थियों द्वारा निर्धारित समयावधि में आवास निर्माण कर गृह प्रवेश करने पर अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने के लिए मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना प्रारंभ की जा रही है। इसके लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। जना के लिए 500 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा-1089 डाक्टरों की भर्ती का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा

रायपुर। विधानसभा में विधायकों ने अपने क्षेत्रों में डॉक्टरों के कई पद खाली होने का सवाल उठाया। सदस्यों ने मंत्री से जानना चाहा कि चिकित्सा विभाग में चिकित्सकों की कमी पर कब भर्ती होगी। विधायकों के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा, प्रदेश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। उन्होंने कहा, डॉक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए जल्द से जल्द डॉक्टरों की भर्ती की जा रही है। 1089 पदों पर भर्ती की जा रही है। उसकी प्रक्रिया जल्द की जाएगी। वित्त से अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है। 225 स्टाफ नर्सों की भी भर्ती होगी। जल्द ही बॉन्ड से भर्ती हो जाएगी। विधायक संगीता सिन्हा ने पूछा कि संजारी बालोद में डॉक्टरों की कितनी संख्या है। क्या मंत्री उसकी जानकारी दे पाएंगे। मंत्री ने जवाब दिया 343 स्वीकृत पद में से 222 कार्यरत है, 123 रिक्त है। एनएचएम में 226 पद है, 216 भरे हैं, सिर्फ 10 पद खाली हैं। संजारी बालोद में एनएचएम में 95 प्रतिशत स्टाफ है, डीसीएच के 65 प्रतिशत स्टाफ है। विधायक ने कहा, संजारी बालोद में एक भी महिला, मनोरोग, और चिकित्सा विशेषज्ञ नहीं है, इस पर ध्यान दिया जाए।

सीजीएमएससी खरीदी घोटाला, पैसा उपलब्ध नहीं था फिर भी डिमांड की गई, 15 को नोटिस

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

> **मंत्री बोले- 2024-25 में 120 करोड़ का प्रावधान था, लेकिन 385 करोड़ रुपए की खरीदी**

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कार्रवाई हंगामेदार रही। सदन की कार्यवाही में प्रश्नकाल के दौरान सत्ता पक्ष के सदस्यों ने सरकार के मंत्रियों को घेरने की कोशिश की। पूर्व मंत्री और कुरुद विधायक अजय चंद्राकर ने स्वास्थ्य विभाग में उपकरण खरीदी में हुए घोटाले का मुद्दा उठाया। उन्होंने बगैर राशि के खरीदी को लेकर सवाल उठाया, साथ ही दोषी अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की भी जानकारी मांगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि विभागीय जांच के बाद ईओडब्ल्यू को मामला सौंपा गया है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि पैसा उपलब्ध नहीं था, फिर भी डिमांड की गई, इसमें जो भी अफसर जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अजय चंद्राकर ने पूछा कि डायरेक्टर हेल्थ ने उपकरण खरीदी के लिए डिमांड की थी, जिसकी खरीदी सीजीएमएससी की ओर से की गई। कितनी सामग्री की डिमांड की गई और कितनी राशि खरीदी के लिए उपलब्ध कराई गई? कितने दिन में उपकरणों और सामान की सप्लाई की गई? स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल जवाब दे रहे थे कि अचानक अजय चंद्राकर फिर उठ खड़े हुए और अपना सवाल फिर दोहराया, लेकिन श्याम बिहारी जायसवाल ने जो जवाब दिया उससे अजय चंद्राकर संतुष्ट नजर नहीं आए और सदन में दोनों सदस्यों के बीच गहमागहमी का माहौल बन गया। मंत्री ने बताया कि उपकरण और सामग्री खरीदी इतने की हुई। इनमें 2020-21 में 11.20 करोड़ रुपए, 2021-22 में 3.15 करोड़, 2022-23 में 83.82 करोड़ और 2023-24 में 81 लाख की खरीदी की गई। इसी प्रकार रीएजेंट खरीदी का ब्योरा देते हुए उन्होंने बताया कि 2020-21 में 20.48 करोड़, 2021-22 में 88 करोड़, 2022-23 में 324 करोड़ और 2023-24 में 384 करोड़ की खरीदी की, जिसका भुगतान 47 करोड़ किया गया। 338 करोड़ का भुगतान शेष है। अजय चंद्राकर ने इस पर सवाल उठाया कि पैसा उपलब्ध नहीं था फिर भी डिमांड की गई। उससे ज्यादा की खरीदी कर ली गई। इस प्रकरण में क्या-क्या अनियमितता दिखी। जवाब में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि 2024-25 में 120 करोड़ रुपए का प्रावधान था, लेकिन 385 करोड़ रुपए की खरीदी कर ली गई।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर

पलकों का न खुलना
टोसिस PTOSIS का ईलाज
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com